दैनिक

जयपुर टाइम्स

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

नई सोच नई रफ्तार

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10 | अंक : 78 | ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 | जयपुर, शुक्रवार 11 अप्रैल, 2025 | ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 | ■ मूल्य : 1.5 रुपए | ■ पृष्ठ : 8+2

न्यूज इनबॉक्स

मुंबई आतंकी हमले के आरोपी राणा को भारत लाना उपलब्धि

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी.)। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि उसे अमेरिका से भारत लाना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति की बड़ी जीत बताया। पूनावाला ने कहा कि यह प्रत्यर्पण सिर्फ एक कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि भारत के नए संकल्प और आत्मविश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा, चाहे कोई भी अपराधी पाताल में ही क्यों न छिपा हो, भारत अब उसे ढूंढकर न्याय के कटघरे में लाने की ताकत रखता है। 26/11 आतंकी हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को आज भारत लाया जा रहा है। तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण कोई आम प्रत्यर्पण नहीं है, ये नए भारत के संकल्प का प्रतिबिंब है।

बता दें कि तहव्वुर राणा मुंबई हमले 26/11 का आरोपी है। इस हमले में 166 लोगों की मौत हुई थी। अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद उसे भारत लाया जा चुका है और दिल्ली की अदालत में उस पर मुकदमा चलाया जाएगा। अगर अदालती सुनवाई में उसे 166 लोगों की हत्या में शामिल होना पाया जाता है तो इसके बाद क्या उसे अजमल कसाब की तरह फांसी की सजा दी जा सकेगी या उसे आजीवन कारावास भी दिया जा सकता है, यानी अपनी अंतिम सांस तक वह जेल के अंदर ही रहेगा। जानकारी के मुताबिक इस तरह के मामलों में देश प्रत्यर्पण संधि से बंधा होता है। उसे उन नियमों का पालन करना होता है जो समझौते के अंदर शामिल की गई थी। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच 1997 में हुई प्रत्यर्पण संधि में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि किसी आपराधिक मामले में प्रत्यर्पण मांगने वाले देश में फांसी की सजा दिए जाने का प्रावधान है, लेकिन प्रत्यर्पण देने वाले देश में फांसी की सजा देने का प्रावधान नहीं है तो ऐसे मामले में प्रत्यर्पण देने से इनकार किया जा सकता है।

बिहार में आंधी तूफान से 16 लोगों की मौत

जयपुर टाइम्स

नालंदा(निसं.)। नालंदा जिले में गुरुवार को आई प्रचंड आंधी और बारिश ने भारी तबाही मचा दी है। 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा के कारण विशालकाय पेड़ों के गिरने से 16 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। नालंदा थाना क्षेत्र के ऐतिहासिक नालंदा खंडहर में एक विशाल पीपल का पेड़ जड़ से उखड़ गया। इस हादसे में खंडहर में तैनात एक गार्ड की पेड़ के नीचे दबकर मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान नालंदा थाना क्षेत्र के सरिलचक गांव निवासी बसंत लाल के (28) वर्षीय पुत्र राकेश कुमार के रूप में

पेयजल समीक्षा को लेकर सीएम ने ली मैराथन बैठक

गर्मी में जनता को पानी के लिए परेशान होना पड़ा, तो जिम्मेदारों की खैर नहीं: भजनलाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तापमान में अचानक हुई बढ़ोतरी के बाद पेयजल की मांग और उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा के लिए गुरुवार दोपहर मुख्यमंत्री निवास पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ लंबी बैठक की। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि गर्मी में जनता को अगर पानी के लिए परेशान होना पड़ा, तो जिम्मेदार अफसरों की खैर नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में गर्मी तेजी से बढ़ी है, ऐसे में आमजन को बढ़ी हुई मांग के अनुसार पर्याप्त पेयजल मुहैया करवाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी जिला कलक्टर्स कंटीन्जेंसी प्लान के अनुसार पेयजल प्रबंधन स्वयं की देखरेख में सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शहरी के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी पानी की किसी तरह की किल्लत नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि अंतिम छोर के उपभोक्ताओं को भी पेयजल की कोई दिक्कत नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में पीएचईडी के फील्ड अधिकारी व कर्मचारी मुख्यालय पर उपस्थित रहें और बिना सक्षम अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ें।

कंट्रोल रूम नम्बरों का करें व्यापक प्रचार-प्रसार

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएचईडी अधिकारी बिजली विभाग के अधिकारियों से समन्वय बना कर रखें ताकि पीक लोड के कारण बिजली ट्रिपिंग, फॉल्ट आदि की स्थिति में भी नलकूपों की विद्युत आपूर्ति बाधित नहीं हो। उन्होंने कहा कि पेयजल संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए राज्य स्तर व जिला स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम्स के नम्बरों का व्यापक प्रचार-प्रसार कर इन पर आने वाली शिकायतों का त्वरित और समयबद्ध निस्तारण किया जाए।

नहरबंदी के दौरान रखें जल भंडारण की पूरी व्यवस्था

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान के जिलों में नहरबंदी के दौरान भी पेयजल की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी, इसके लिए उन्होंने स्वयं हनुमानगढ़ और गंगानगर के दौरे के दौरान अधिकारियों से चर्चा कर स्थिति की समीक्षा की है। पेयजल की व्यवस्था सुचारू रखने के लिए नहरबंदी के दौरान पहले माह में आंशिक क्लोजर ही रखा गया है और पेयजल के लिए पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। पूर्ण नहरबंदी के समय पेयजल आपूर्ति के लिए पीएचईडी अधिकारियों को जल भंडारण की पूरी व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं।

इसी माह जारी होंगे जेजेएम के 5 हजार वर्क ऑर्डर

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार ने हमारे आग्रह पर जल जीवन मिशन की अवधि वर्ष 2028 तक बढ़ा दी है। उन्होंने जल जीवन मिशन में शेष वर्क आर्डर शीघ्र जारी करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अप्रेल माह में 5 हजार करोड़ के कार्यादेश जारी कर जेजेएम के कार्यों को गति प्रदान की जाए। उन्होंने जल जीवन मिशन योजनाओं को सफलतापूर्वक चलाने के लिए संचालन व संधारण नीति शीघ्र जारी किए जाने के निर्देश प्रदान किए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (पीएचईडी) भास्कर ए. सावंत ने बताया कि विभाग की वृहद परियोजनाओं में कार्ययोजना बनाकर समयबद्ध तरीके से इनके कार्य करवाए जा रहे हैं। अक्टूबर 2025 तक 59 परियोजनाओं के लिए 44 हजार 889 करोड़ रुपए की राशि जारी कर दी जाएगी। इसके लिए फंड की व्यवस्था में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। हुडको, आरईसी जैसी संस्थाओं के माध्यम से भी ऋण की व्यवस्था की जा चुकी है। बढ़े हुए जल शुल्क की अधिसूचना जारी की जाकर हुडको से ऋण प्राप्त करने की कार्रवाई जारी है।

बैठक के दौरान पीएचईडी मंत्री कन्हैयालाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

तेजी से पूरे करें नए हैण्डपम्प, नलकूप लगाने और पुरानों की मरम्मत के काम

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गर्मी को देखते हुए नए हैण्डपम्प, नलकूप लगाने, पुराने हैण्डपम्प, नलकूपों की मरम्मत, पाइपलाइनों को दुरस्त करने सहित पेयजल आपूर्ति सुदृढ़ीकरण के सभी कार्य 15 मई से पहले हर हाल में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि पेयजल समस्या के समाधान के लिए जिला कलक्टरों को एक-एक करोड़ रुपए का अनटाइड फंड उपलब्ध करवाया गया है। अधिकांश जिलों में इस फंड का उपयोग करते हुए स्वीकृतियां जारी कर कार्य शुरू कर दिये गए हैं। उन्होंने शेष जिलों के जिला कलक्टरों को भी स्वीकृतियां शीघ्र जारी कर कार्य दी गई समयसीमा में पूरा करवाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 मई से पहले गत वर्ष बजट में स्वीकृत सभी हैंडपम्प और नलकूपों को चालू कर दिया जाए और इस बजट में स्वीकृत किए गए 1000 नए नलकूप और 2500 नए हैण्डपम्प की वित्तीय स्वीकृति भी जल्द जारी कर कार्य शीघ्र शुरू किया जाए। बैठक में बताया गया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए अप्रैल माह में 2 लाख 35 हजार से अधिक हैण्डपम्पों की मरम्मत की गई है। गत वर्ष बजट में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 5 नलकूप और 10 हैण्डपम्प स्वीकृत किए गए थे। इनमें से 800 से अधिक नलकूप और 1400 हैण्डपम्प इस माह के अंत तक क्रियाशील हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में गर्मी के दौरान पेयजल आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में 142 करोड़ रुपए के 1244 कार्य और शहरी क्षेत्रों में 68 करोड़ रुपए के 153 कार्य स्वीकृत कर जरूरत के अनुसार नलकूपों की गहराई बढ़ाने, पाइप लाइन डालने और बदलने और पम्पसेट आदि की मरम्मत के काम करवाए जा रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि जो कार्य अभी तक भी प्रारम्भ नहीं हुए हैं, वे 10 दिन के भीतर शुरू कर आगामी 15 मई से पहले पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि अप्रैल से जुलाई तक गर्मी के पीक सीजन में टैंकरों से पेयजल की मांग पूरी करने के लिए ग्रामीण क्षेत्र में 82 करोड़ और शहरी क्षेत्र में 25 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने ली जयपुर मेट्रो-फेज 2 की बैठक

मेट्रो विस्तार से यातायात प्रबंधन को मिलेगी मजबूती: सीएम भजनलाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को मेट्रो कॉरिडोर (फेज-2) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के संबंध में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेट्रो फेज-2 की डीपीआर में प्रस्तावित सीतापुरा से अंबाबाड़ी और विद्याधर नगर तक भविष्य की आवश्यकता और आमजन की सुगमता को देखते हुए मेट्रो स्टेशन बनाए जाएं।

उन्होंने कहा कि जयपुर एक ऐतिहासिक और तेजी से बढ़ता शहर है और मेट्रो का विस्तार यहां की बढ़ती आबादी और यातायात दबाव को संतुलित करने में अहम भूमिका निभाएगा। राज्य सरकार की मंशा है कि जयपुरवासियों के लिए सुगम व अत्याधुनिक परिवहन तंत्र विकसित किया जाए जिससे जयपुर स्मार्ट सिटी की दिशा में देशभर में मॉडल शहर बने।

शर्मा ने कहा कि मेट्रो फेज-2 के तहत प्रोजेक्ट में खर्चे व लागत का समुचित आकलन किया जाए ताकि वित्तीय संसाधनों का सदुपयोग होने के साथ ही आमजन के लिए भी बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाई जा सके। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने मेट्रो की डीपीआर में प्रस्तावित रूट, अनुमानित लागत, परियोजना की व्यवहार्यता तथा वित्तीय मॉडल की जानकारी ली।

रेलवे स्टेशन-एयरपोर्ट के नजदीक बनाएं मेट्रो स्टेशन

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परियोजना में आमजन की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए रूट का निर्धारण किया जाए। उन्होंने कहा कि मेट्रो स्टेशन ऐसे स्थानों पर बनाए जाएं जो आम लोगों की पहुंच में हों, और इसके साथ-साथ रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट के नजदीक मेट्रो स्टेशन बनाया जाना सुनिश्चित करें जिससे मेट्रो की उपयोगिता अधिकतम हो। बैठक में मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने मेट्रो परियोजना के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के सीएमडी वैभव गालरिया, जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त आनंदी सहित जयपुर मेट्रो से संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

फर्जी सीबीआई अफसर बन करोड़ों की ठगी करने वाला बेनकाब

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। अब एक बार फिर राजधानी जयपुर में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों को ठगने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश हुआ है।

सीएसटी (क्राइम ब्रांच) पुलिस आयुक्तालय जयपुर की टीम ने पुलिस थाना महेश नगर क्षेत्र से फर्जी सीबीआई अफसर बनकर ठगी करने वाले रविंद्र शर्मा उर्फ रवि शर्मा और उसके चार अन्य साथियों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि जयपुर में सीबीआई ऑफिसर बनकर हाल ही में युवाओं को सरकारी नौकरी का झांसा देकर लाखों की ठगी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ था। पुलिस ने गैंग के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया जो खुद को आईएएस अधिकारी बताकर महंगे होटलों में इंटरव्यू आयोजित करता था। आरोपियों के कब्जे से नौकरी के फर्जी जॉइनिंग लेटर, सीबीआई स्पेशल ऑफिसर का नकली कार्ड, और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

सीबीआई अफसर बताकर आई कार्ड भी दिखाता था

पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी का झांसा देता था। आरोपी खुद को सीबीआई का स्पेशल अफसर बताकर लाल बत्ती लगी गाड़ी और फर्जी आईडी कार्ड के जरिए ठोस पहचान बनाते थे। गिरोह खुद को सचिवालय, देवस्थान विभाग, फायर स्टेशन जैसे सरकारी विभागों के उच्च पदस्थ अधिकारी बताकर बेरोजगारों से दस्तावेज जमा करवाता और लाखों रुपये की वसूली करता था। आरोपियों के पास से सीबीआई स्पेशल ऑफिसर का फर्जी कार्ड, भारत सरकार लिखा फर्जी वाहन पास, फर्जी जॉइनिंग लेटर और कार और दस्तावेजों की नकल कॉपियां बरामद हुई है। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि गिरोह ने अब तक कितने लोगों को ठगा और किन-किन विभागों तक इनका नेटवर्क फैला हुआ है।

केन्द्र सरकार ने दी प्रदेश को विशेष सौगातें, मुख्यमंत्री ने जताया आभार

बोले: प्रदेश में रेल व सड़क तंत्र होगा सुदृढ़

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में सड़क व रेल कनेक्टिविटी को उत्कृष्ट बनाने की दिशा में केन्द्र सरकार की ओर से दी गई स्वीकृतियों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी एवं केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार में प्रदेश के विकास को नई गति मिल रही है। केन्द्र सरकार की ओर से दी गई इन विशेष सौगातों से प्रदेश में रेल एवं सड़क तंत्र सुदृढ होगा तथा आमजन को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी।

बर और पिपलिया कलां औद्योगिक पार्क से कनेक्टिविटी होगी बेहतर

उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार ने राजस्थान में 394.03 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग-458 के रायपुर-जस्सा खेड़ा (लंबाई 7.95 किमी, पैकेज-2) खंड से पेव्ड शोल्डर एलिवेटेड संरचना के साथ 2-लेन के निर्माण की स्वीकृति दी है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-58 के जंक्शन से लाडनू में शुरू होकर जस्सा खेड़ा तक जाता है। इस खंड के विकास के बाद भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ की यात्रा 38 किमी कम हो जाएगी तथा इससे बर और पिपलिया कलां औद्योगिक पार्क से कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। इस परियोजना में टॉडगढ़-रावली वन्यजीव अभयारण्य में आने वाले 7.95 किमी खंड पर एलिवेटेड संरचना का निर्माण भी किया जाएगा।

प्रदेश को मिली नई रेल लाइन, 100 प्रतिशत होगी विद्युतीकृत

वहीं, केन्द्र सरकार की ओर से प्रदेश में रामदेवरा से पोकरण के बीच भैरव गुफा एवं कैलाश टेकरी होकर नई रेल लाइन की स्वीकृति मिली है। इससे बीकानेर और जोधपुर से जैसलमेर की रेल यात्रा में लगभग 45 मिनट की बचत होगी। यह रेल लाइन 100 प्रतिशत विद्युतीकृत होगी।

मेले में विवाद के आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर संतों ने लिया निर्णय

जीण माता मंदिर बंद, दर्शनों पर अनिश्चितकाल के लिए रोक

जयपुर टाइम्स

सीकर(निसं.)। सीकर जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल जीण माता मंदिर को संत समाज के निर्णय के बाद अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। यह निर्णय 3 अप्रैल को मुख्य मेले के दौरान हुए विवाद के मद्देनजर लिया गया है, जिसमें अब तक दोषियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इस मामले में संतों की एक महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को आयोजित की गई, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि जब तक दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए बंद रखा जाएगा। बैठक में संत समाज ने एकमत से फैसला लिया कि माता के केवल पूजा-अर्चना का कार्य संपन्न किया जाएगा, लेकिन आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के दर्शन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेंगे। गौरतलब है कि 3 अप्रैल को चैत्र नवरात्रि के मुख्य मेले के अवसर पर मंदिर परिसर में एक विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई थी, जिससे वातावरण अशांत हो गया था। इस घटना से संत समाज और स्थानीय श्रद्धालुओं में गहरा आक्रोश है। संतों ने प्रशासन से कई बार दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, लेकिन सात दिन बीतने के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। गुरुवार को हुई बैठक के बाद जीण माता मंदिर ट्रस्ट ने संतों के निर्णय का सम्मान करते हुए मंदिर को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने की आधिकारिक घोषणा की। ट्रस्ट की ओर से कहा गया है कि मंदिर में नित्य पूजा, आरती और धार्मिक विधियों का निर्वहन जारी रहेगा, लेकिन दर्शन व्यवस्था स्थगित रहेगी।

राजधानी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
11 अप्रैल, 2025

हर्षोल्लास के साथ मनाया महावीर जयंती पर्व

भगवान महावीर के संदेशों में निहित है जीवन का सार - मंत्री शर्मा

वन मंत्री ने श्री महावीर जयन्ती पर आयोजित शोभायात्रा में लिया भाग, महाआरती कर की प्रदेश की खुशहाली की कामना

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने गुरूवार को श्री महावीर जयन्ती के के पावन पर्व पर होप सर्कस पर सकल जैन समाज द्वारा आयोजित शोभायात्रा एवं महाआरती कार्यक्रम में शिरकत की।

मंत्री शर्मा ने श्री महावीर जयन्ती की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान महावीर जी ने सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य एवं अपरिग्रह आदि मूल्यों पर बल दिया। उनके प्रवचनों का सार त्याग, संयम, प्रेम, करूणा और सचादार में निहित है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर जी की शिक्षाएं अहिंसा के माध्यम से मुक्ति का मार्ग दिखाती हैं। भगवान महावीर ने अहिंसा का पालन शारीरिक, मानसिक और वाचिक रूप से करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब दुनिया में तनाव व वैमन्स्य फैल रहा है तो भगवान महावीर का यह संदेश हमें अपने भीतर के अंहिसा के भाव को जाग्रत करने की प्रेरणा देता है। भगवान महावीर जी ने शांति, सद्भावना और मानव सेवा का संदेश देकर समाज को एक सूत्र में पिरोना का काम किया है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर जी के इन गुणों को सभी लोगों को आत्मसात करना चाहिए। मंत्री शर्मा ने शोभायात्रा के इस दौरान श्रृद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की एवं महाआरती में शामिल होकर भगवान श्री महावीर जी से प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल, राजेश सिंघल, जितेन्द्र शर्मा, अरूण जैन, रवि जैन, अशोक जैन, सागर यादव सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे। इससे पहले भगवान महावीर जी की शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ जैन मंदिर से शुरु हुई। जहां शोभायात्रा में महावीर स्वामी के जीवन से जुडी अनेक झांकियां शामिल रही। वहीं शोभायात्रा का जगह जगह पर फूल वर्षा कर स्वागत किया गया। शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए दोपहर को जैन नसिया जी पहुंची।

राजगढ़ में श्री जी की निकाली शोभायात्रा

राजगढ़(निस)। कस्बे मे महावीर जयंती का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भगवान श्री जी की शोभायात्रा पालकी बड़े मंदिर से गाजे बाजे के साथ शुरु होकर मेला का चौराहा स्तिथ जैन नसिया मंदिर पहुंची जहाँ श्री जी का

कलश अभिषेक किया गया उसके पश्चात सामूहिक भोज आयोजित हुआ इस अवसर पर जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र जैन, संतोष जैन, दीपक जैन,सौरभ जैन, पंकज जैन, सहित जैन समाज के महिला पुरुष मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों की ली बैठक

हीट वेव के मद्देनजर अनावश्यक धूप में ना निकलें, बरतें आवश्यक सावधानी

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निस)। जिला कलक्टर किशोर कुमार ने जिला सचिवालय खैरथल में चिकित्सा विभाग के सभी अधिकारियों की बैठक ली।

जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने बैठक के दौरान चिकित्सा विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कि तथा कार्य योजना बनाकर निर्धारित लक्षण को प्राप्त करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बढ़ती गर्मी के मध्य नजर चिकित्सा विभाग को अत्यधिक गर्मी व लू-तापघात को लेकर चिकित्सा संस्थानों में पर्याप्त व्यवस्था रखनें तथा मेडिसीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी को हीट वेव के संबंध में विभिन्न माध्यमों से प्रचार प्रसार करने के निर्देश भी दिए। जिला कलक्टर ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सभी अस्पतालों में लू-तापघात के रोगियों के लिए गाइडलाइन अनुसार बैड आरक्षित रखते हुए वहां कूलर व शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, संस्थान में रोगी के उपचार के लिए आपातकालीन किट में ओरआरएस, ड्रिपसेट, फ्लूड एवं आवश्यक दवाईयां रखने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन ने आमजन के लिए जारी अपील में कहा है कि जहां तक संभव हो धूप में न निकलें।

निकलें तो शरीर पूर्ण तरह से ढका हो। सफेद या हल्के रंग के ढीले व सूती कपड़ों का उपयोग करें। लू तापघात से प्रायः कुपोषित बच्चे, बीमार, वृद्ध, गर्भवती महिलाऐं और श्रमिक आदि शीध्र प्रभावित हो सकते हैं। इन्हे प्रातः 10 बजे से सांय 6 बजें तक तेज गर्मी से बचाने के लिए छायादार ठंडे स्थान पर रहने का प्रयास करें। लू के लक्षण प्रतीत होने पर तुरंत प्राथमिक उपचार करते हुए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं।

लू-तापघात से बचाव के लिये ये सावधानियां बरतें

- बहुत अधिक भीड़, गर्म घुटन भरे कमरों से बचें, रेल बस आदि की यात्रा अत्यावश्यक होने पर ही करें।
- बिना भोजन किये बाहर न निकलें। भोजन करके एवं पानी पी कर ही बाहर निकलें।
- सड़े-गले फल व बासी सब्जियों का उपयोग हरगिज ना करें।
- गर्दन के पिछले भाग कान एवं सिर को गमछे या तौलिये से ढक कर ही धूप में निकलें। रंगीन चश्में एवं छतरी का प्रयोग करें।
- गर्मी मे हमेशा पानी एवं पेय पदार्थो जैसे नींबू पानी, नारियल पानी, ज्यूस आदि का प्रयोग करते रहें।
- अकाल राहत कार्यो पर अथवा श्रमिकों के कार्यस्थल पर छाया एवं पानी का पूर्ण प्रबन्ध रखा जावे, ताकि श्रमिक थोडी-थोडी देर में छायादार स्थानों पर विश्राम कर सकें।
- कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक से बचें।

लू तापघात के लक्षण

सीएमएचओ डॉ. अरविंद गेट के अनुसार शरीर में लवण व पानी अपर्याप्त होने पर विषम गर्म वातावरण में लू व तापघात निम्नांकित लक्षणों के द्वारा प्रभावी होता है-

- सिर का भारीपन व सिरदर्द।
- अधिक प्यास लगाना व शरीर में भारीपन के साथ थकावट।
- जी मिचलाना, सिर चकराना व शरीर का तापमान बढ़ना (105 एफ या अधिक)।
- पसीना आना बंद होना, मुंह का लाल हो जाना व त्वचा का सूखा होना।
- अत्यधिक प्यास का लगना, बेहोशी जैसी स्थिति का होना।

क्या है लू तापघात

चिकित्सकीय दृष्टि से लू तापघात के लक्षण लवण व पानी की आवश्यकता व अनुपात विकृति के कारण होती है। मस्तिष्क का एक केंद्र जो मानव के तापमान को सामान्य बनाए रखता है, काम करना छोड़ देता है। लाल रक्त कोशिकाएं रक्त वाहिनियों में टूट जाती हैं व कोशिकाओं में जो पोटेशियम लवण होता है वह रक्त संचार में आ जाता है जिससे हृदय गति, शरीर के अन्य अंग व अवयव प्रभावित होकर लू तापघात के रोगी को मौत के मुंह में धकेल देते हैं।

लू-तापघात से प्रभावित व्यक्ति का तत्काल ऐसे करें प्राथमिक उपचार

लू तापघात से प्रभावित रोगी को तुरंत छायादार जगह पर कपड़े ढीले कर लेटा दिया जावे एवं हवा करें। व्यक्ति को तुरंत ठंडा पानी, ओआरएस, नींबू पानी, नारियल पानी, कच्चे आम का पना जैसे पेय पदार्थ पिलाएं। पानी व बर्फ से शरीर को ठंडा करने का प्रयास करें फिर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र लेकर जाएं। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अरविंद गेट सहित चिकित्सा विभाग के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं चिकित्सा मौजूद रहे।

होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में तीन दिवसीय कार्यक्रम संम्पन्न

निशुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

होम्योपैथी से जड़ से ईलाज होता है - वन मंत्री

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। गुरुवार को डॉ. हैनीमेन जयन्ती के उपलक्ष में होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज शिवाजी पार्क में तीन दिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार में वन मत्री संजय शर्मा ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम प्रारम्भ किया साथ ही कॉलेज की चेयरमेन डॉ. मंजू अग्रवाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की मुख्य अतिथि संजय शर्मा ने होम्योपैथिक चिकित्सा पदति पर बोलते हुए कहा कि उसमें रोगों का जड़ से इलाज होता है साथ ही मेडिकल के सभी छात्र-छात्राओं को राजस्थान सरकार से शीघ्र नई भर्तियों के लिए प्रयास का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मंत्री संजय शर्मा का स्वागत कॉलेज चेयरमेन डॉ. मंजू अग्रवाल व डीन डॉ. अशोक पाठक, प्राचार्य डॉ. एम. के. शर्मा ने किया डॉ. हैनीमेन की जयन्ती 8 अप्रेल से तीन दिवसीय निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के हॉसप्टिल में लगाया गया जिसमें सैंकडों रोगियों ने चिकित्सा परामर्श व निःशुल्क दवा का लाभ प्राप्त किया वही तीन दिवसीय निःशुल्क होम्योपैथिक शिविर का उद्घघाटन व निरीक्षण एडीएम. सिटी बीना महावर ने किया साथ ही उन्होंने होम्योपैथिक चिकित्सा पद्वति पर प्रकाश डालते हुए आमजन को स्वस्थ्य रहने के लिए व आवश्यकता पडने पर रोग मुक्त होने के लिए होम्योपैथिक चिकित्सा को उपयोग में लाने के लिए आग्रह किया। वाई पी.एस.एम. होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज व हॉस्पिटल के बारे में कहा कि सन् 1978 से हजारों होम्योपैथिक डॉक्टर्स जो कि सरकारी सेवाओं में व अन्य प्रशासनिक सेवाओं में सेवारत हैं व यहां के छात्र-छात्रा अच्छे अध्ययन उपरान्त समाज उपयोगी बने ऐसी शुभकामनाएँ प्रेषित की कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा बी.एच.एम.एस. के प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चर्तुथ वर्ष के छात्र-छात्राओं जिन्होंने प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया उन्हें मंत्री संजय शर्मा ने प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित क्रिया।

इस कार्यक्रम में डॉ. एस.एस. कुन्तल, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. प्रदीप शर्मा, डॉ. रूपेश सोनी, डॉ. आभा अग्रवाल, डॉ. आदितेन्द्र विजय, डॉ. अंजनी जोशी, डॉ. विधी, डॉ. निलान्जना, डॉ. निलिमा, डॉ. पवन चौधरी, डॉ. नितीश लाल, डॉ. धारणा व अन्य स्टॉफ मौजूद रहा। कार्यक्रम के अन्त में कॉलेज की चेयरमेन डॉ. मंजू अग्रवाल द्वारा मंत्री संजय शर्मा व अन्य आगन्तुक अतिथियों का धन्यवाद आभार व्यक्त किया गया।

डॉक्टर्स प्रीमियर लीग का उद्देश्य डॉक्टर्स के बीच स्वास्थ्य, फिटनेस और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है- दिग्गज क्रिकेटर संदीप पाटिल

डॉक्टर्स क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित डॉक्टर्स प्रीमियर लीग - समर सीजऩ 2025 का भव्य शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। डॉक्टर्स क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित डॉक्टर्स प्रीमियर लीग -समर सीजऩ 2025 का भव्य शुभारंभ गुरुवार को अलवर के एलआईईटी कॉलेज ग्राउंड में किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथियों के रूप में डॉ. विजय चौधरी, डॉ. विजयपाल यादव, डॉ. दीपक श्रीवास्तव तथा वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एस.सी. मित्तल उपस्थित रहे और टूर्नामेंट का विधिवत उद्घाटन किया।

शुरुआती मुकाबला सुपर स्पार्टन और हनी हिटर्स के बीच खेला गया। टॉस जीतकर सुपर स्पार्टन ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 236 रन बनाए। टीम की ओर से डॉ. नीरज रमन ने सिर्फ 18 गेंदों में 59 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 7 शानदार छक्के शामिल थे। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें बेस्ट बैट्समैन चुना गया। जवाब में हनी हिटर्स की पूरी टीम केवल 72 रन पर सिमट गई और सुपर स्पार्टन ने यह मुकाबला 164 रनों से अपने नाम किया।

सुपर स्पार्टनेस में 236 रन बनाए। टीम की ओर से डॉ. नीरज रमन ने सिर्फ 18 गेंदों में 59 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 7 शानदार छक्के शामिल थे। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें बेस्ट बैट्समैन चुना गया। जवाब में हनी हिटर्स की पूरी टीम केवल 72 रन पर सिमट गई और सुपर स्पार्टन ने यह मुकाबला 164 रनों से अपने नाम किया। सुपर स्पार्टन की गेंदबाज़ी में भी दम दिखा। डॉ. तरुण धाबाई ने घातक गेंदबाज़ी करते हुए 2 ओवर में महज 3 रन देकर 3 विकेट चटकाए और बेस्ट बॉलर घोषित किए गए। डॉ. सिद्धार्थ चौधरी ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 30 रन बनाए और 2 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें मन ऑफ़ द मैच से सम्मानित किया गया।

मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें 1983 वर्ल्ड कप विजेता भारतीय टीम के सदस्य और दिग्गज क्रिकेटर संदीप पाटिल ने खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। डॉक्टर्स प्रीमियर लीग का उद्देश्य डॉक्टर्स के बीच स्वास्थ्य, फिटनेस और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है।

...ताकि किसी भी मूक पक्षी की मृत्यु प्यास व गर्मी से ना हो -डॉ. शर्मा

चिकित्सा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने लगाए 31 परिण्डे, भरा शीतल पानी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस के उपलक्ष में सेवा सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार को चिकित्सा प्रकोष्ठ के द्वारा मूक पक्षियों के पानी पीने के लिए 31 परिंडे लगाए गए। चिकित्सा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष डॉक्टर के के शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्ष तेज गर्मी व प्यास के कारण सैकड़ो मूक पक्षियों की मृत्यु हो जाती है। इसी विषय को ध्यान में रखते हुए गर्मियों की शुरुआत में गुरुवार को शहर के विभिन्न स्थानों पर 31 परिंडे लगाए गए ओर उनमें शीतल पानी भरा ताकि किसी भी मूक पक्षी की मृत्यु प्यास व गर्मी से ना हो। इस अवसर पर भाजपा जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रकाश गोड, मंत्री सियाराम शर्मा, उदय सिंह बना, प्रेम सिंह राजपूत, अजीत कुमार जैन, प्रदीप माथुर, कमल गोड, लखन सिंह गुर्जर, आकाश वाल्मीकि, भावना नायक, बिशन सिंह, सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अलवर में कार्यक्रम : ई-एथलेंड परिचयकर्ता महागुरु का मास्टरक्लास एक डिजिटल क्रिकेट कोचिंग

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। -शची स्पोर्ट्स की सहायक कंपनी एफ-एथिकल ने महागुरु का मास्टरक्लास लॉन्च किया है, जो एक अभिनव डिजिटल क्रिकेट कोचिंग सेंस है , जिसे महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों और कोचों के लिए उच्च-गुणवत्ता वाली ट्रेनिंग प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पूर्व विश्व कप विजेता भारतीय खिलाड़ी और कोच संदीप पाटिल के मार्गदर्शन में और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, इस विशेषज्ञ सीरीज़ को गुरुवार दोपहर अलवर के आपणो मैरिज होम में पहुंचे।

इस पहल का उद्देश्य एनसीए से जुड़ी कोचिंग अवधारणा को महत्वाकांक्षी क्रिकेट कोचों के लिए अधिक सुलभ बनाना है, साथ ही युवा क्रिकेटरों को उच्च-स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करना है। लॉन्च कार्यक्रम में संदीप पाटिल और दिनेश नानावटी सहित कई प्रतिष्ठित पूर्व खिलाड़ी और कोच शामिल हुए। इस व्यापक श्रृंखला में बल्लेबाजी को समर्पित दस एपिसोड शामिल हैं, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कोच दिनेश नानावटी के मार्गदर्शन में चार एपिसोड में विकेट कीपिंग को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, गेंदबाजी और क्षेत्र रक्षण पर चार-एपिसोड का एक खंड पूर्व क्रिकेटर और कोच गौतम शोम के नेतृत्व में है।

समग्र प्रशिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए, कार्यक्रम में शारीरिक फिटनेस पर केंद्रित दो एपिसोड भी शामिल हैं, जिनका संचालन फिटनेस वैज्ञानिक राहत पटवर्धन द्वारा किया जाता है।

इस कार्यक्रम में पत्रकारों से बात करते हुए संदीप पाटिल ने भारत में संरचित क्रिकेट कोचिंग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, क्रिकेट भारत में सिर्फ़ एक खेल से कहीं ज़्यादा है, फिर भी कोचिंग काफ़ी हद तक अनियमित है। सिर्फ़ कुछ प्रतिशत कोच ही उचित प्रमाण-पत्र रखते हैं। एनसीए सालाना सीमित संख्या में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है, जिसमें प्रत्येक राज्य से केवल मुठ्ठी भर कोच ही भाग ले पाते हैं। यह पहल बड़ी संख्या में कोचों को समान स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त करने में सक्षम बनाती है, जिससे भारत में क्रिकेट कोचिंग ढांचे को काफ़ी बढ़ावा मिलता है।

महागुरु का मास्टरक्लास का उद्देश्य उभरते क्रिकेटरों को संरचित, प्रमाणित कोचिंग प्रदान करके इस अंतर को पाटना है।

दिनेश नानावती ने मानकीकृत कोचिंग की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, कई माता-पिता अपने बच्चों की क्रिकेट ट्रेनिंग में महत्वपूर्ण समय और वित्तीय संसाधन लगाते हैं। हालांकि, अकादमियों में कोचिंग के मानक असंगत हो सकते हैं। क्या युवा क्रिकेटर सही तकनीक सीख रहे हैं? क्या उनके कोच उचित रूप से प्रमाणित हैं? यह डिजिटल कोचिंग सीरीज़ सीधे इन चिंताओं को संबोधित करती है और क्रिकेट में गेम-चेंजर बनने की क्षमता रखती हैं।

महात्मा ज्योतिबा फुले जयन्ती पर राज्यपाल की शुभकामनाएं

जयपुर टाइम्स

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने महात्मा ज्योतिबा फुले जयन्ती (11 अप्रैल) पर उनका स्मरण करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि महात्मा फुले महान समाज सुधारक और सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे। उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फुले के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए मानव कल्याण के लिए कार्य करने का आह्वान किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर शुभकामनाएं

जयपुर टाइम्स

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती (11 अप्रैल) के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फुले को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने गरीब, पिछड़े, दलित एवं शोषित वर्ग के उत्थान तथा सामाजिक जड़ताओं व कुरीतियों को दूर करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। उन्होंने महिलाओं के कल्याण व महिला शिक्षा को बढ़ावा देने में भी अहम योगदान दिया। समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष के प्रति समर्पण के कारण उन्हें महात्मा की उपाधि दी गई। युगपुरूष महात्मा ज्योतिबा ने नारी शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ महिला और पुरूष में भेद, जाति-प्रथा, धार्मिक आडम्बर सहित अन्य कुरीतियों के खिलाफ जनजागरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्योतिबा जी के आदर्शों को प्रेरणा मानकर राज्य सरकार गरीबों तथा महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारी सरकार द्वारा दादूदयाल घुमंतू सशक्तीकरण योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, गरीब महिलाओं के लिए 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर सहित विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन-आदर्शों से प्रेरणा लेकर सामाजिक समरसता को और मजबूत करने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं, जिससे देश व प्रदेश उन्नति के नए आयाम को छू सके।

नगरीय निकाय परिसीमन और वार्ड पुनर्गठन पर अवकाश के दिन भी दर्ज होंगी आपत्तियां

जयपुर टाइम्स

जयपुर, (का.सं.)। नगरीय निकायों के परिसीमन एवं वार्ड पुनर्गठन प्रस्तावों पर आमजन 17 अप्रैल 2025 तक कार्यालय समय (सायं 6 बजे तक) अपनी आपत्तियां और सुझाव दर्ज करा सकते हैं। जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा 7 अप्रैल को जारी सूचना के तहत यह प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। विशेष बात यह है कि यह सुविधा राजकीय अवकाश के दिनों में भी उपलब्ध कराई गई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं एडीएम (द्वितीय) आशीष कुमार ने जानकारी दी कि 10 अप्रैल से 14 अप्रैल तक के अवकाश के दौरान भी जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, नगर निगम हेरिटेज एवं ग्रेटर के मुख्यालय, तथा इनके समस्त जोन कार्यालय खुले रहेंगे। इन कार्यालयों में आमजन अपने सुझाव एवं आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करना है ताकि परिसीमन और वार्ड पुनर्गठन की प्रक्रिया पारदर्शी और लोकतांत्रिक ढंग से संपन्न हो। इससे पहले गुरुवार, 10 अप्रैल को भी राजकीय अवकाश के बावजूद कार्यालय खुले रखे गए और लोगों से आपत्तियां ली गईं।

नगर निगम क्षेत्र में निवासरत नागरिकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समयसीमा के भीतर अपने क्षेत्र से संबंधित सुझाव या आपत्तियां संबंधित कार्यालयों में दर्ज कराएं, जिससे अंतिम प्रस्ताव में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

सर्वव्यापी व सर्वस्पर्शी भाव ही भारत माता की सच्ची सेवा-निम्बा राम

राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक जयपुर में संपन्न

जयपुर टाइम्स

जयपुर,(का.सं.)। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान, जयपुर में संपन्न हुई। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती और भारत माता के चित्रों पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। बैठक में तीन सत्र आयोजित किए गए।

प्रथम सत्र में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा, आगामी कार्यक्रमों की योजना, एवं सदस्यता अभियान पर चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्करणा ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए 2.25 लाख से अधिक सदस्यता पर कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने समरसता दिवस (14 अप्रैल) और गुरु वंदन कार्यक्रम (18 जुलाई) के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। सदस्यता अभियान 1 से 14 मई तक चलेगा और लक्ष्य 3 लाख रखा गया है।

द्वितीय सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम ने संबोधित करते हुए कहा कि संगठन को सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी भावना के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने महिला शिक्षकों की भागीदारी बढ़ाने, सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने और युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज को जोड़ने के लिए सबकी बात सुनना, धैर्य रखना और समाज के प्रति सतर्क रहना जरूरी है।

तृतीय सत्र में राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भाग लिया। उन्होंने शिक्षक संघ की सराहना करते हुए सुझावों पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रदेश अध्यक्ष पुष्करणा ने शिक्षा मंत्री के समक्ष डीपीसी, गुरुकुल स्थापना, सैनिक स्कूल, वेतन विसंगति और वरिष्ठ व्याख्याता पद संबंधी मांगें रखीं।

अंत में प्रदेश महामंत्री महेंद्र कुमार लखारा ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

गांधीवादी विचारक और द्वितीय विश्वयुद्ध के पूर्व सैनिक बनाराम जाखड़ के नाम पर बनेगी ग्राम पंचायत, क्षेत्रवासियों ने जताया आभार

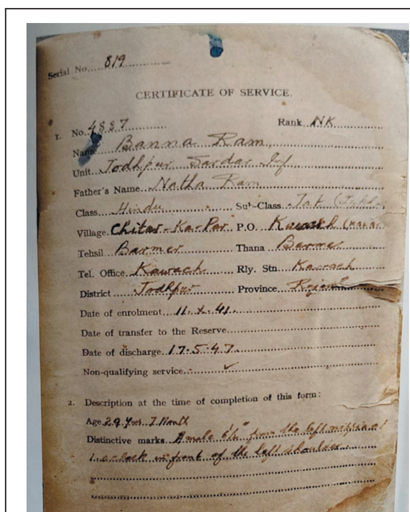

जयपुर टाइम्स

डालू जाखड़, रावतसर। मारवाड़ के प्रसिद्ध किसान नेता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और गांधीवादी विचारक बनाराम जाखड़ के योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से राजस्थान सरकार ने बाड़मेर जिले में उनके नाम पर ग्राम पंचायत गठित करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय को लेकर स्थानीय ग्रामीणों और किसान समुदाय में हर्ष की लहर है। लोगों ने इसे जाखड़ के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताते हुए सरकार, पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, भाजपा नेता बालाराम मूढ़ और अन्य जनप्रतिनिधियों का आभार जताया। 1917 में ग्राम छीतर का पार (जिला बाड़मेर) के एक किसान परिवार में जन्मे बनाराम जाखड़ ने जीवन के विभिन्न पड़ावों में समाज और देश के लिए अहम भूमिका निभाई। रेलवे में गनमैन की नौकरी से शुरू कर उन्होंने जोधपुर रियासत की सेना में भर्ती होकर द्वितीय विश्वयुद्ध में हिस्सा लिया। वे अफ्रीका और यूरोप में अंग्रेजी सेना के साथ तैनात रहे और इटली प्रवास के दौरान इतालवी भाषा भी सीखी। इसी दौर में उन्होंने साम्राज्यवाद की वास्तविकता को जाना और आज़ादी की लड़ाई के लिए प्रतिबद्ध हो गए। 1947 में जब उन्हें सिंगापुर में आजाद हिंद फौज के खिलाफ लड़ने का आदेश मिला तो उन्होंने उसका विरोध किया, जिसके चलते उन्हें 14 माह तक हांगकांग की जेल में कैद रहना पड़ा। स्वतंत्रता के अंतिम वर्षों में वे मारवाड़ किसान सभा से जुड़े और जागीरदारी प्रथा के खिलाफ मुखर आंदोलन चलाया। जाखड़ ने 96वें भीषण अकाल के समय ग्रामीणों के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था की, और किसान समुदाय की छत्तीस बिरादरियों को शिक्षा से जोड़ने का बीड़ा उठाया। वे छीतर का पार ग्राम पंचायत के पहले सरपंच बने और 2004 में उनका निधन हुआ।

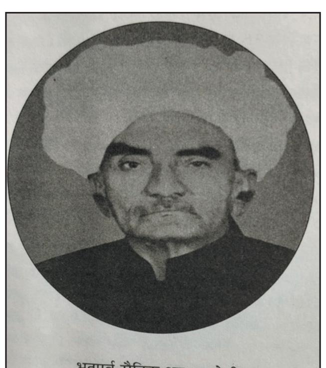

भूतपूर्व सैनिक अर जनसेवी
स्व. बन्नानराम जाखड़ नै घणै मांन!

उनके प्रेरक जीवन पर साहित्यकार नंद भारद्वाज ने 'काहू री काठी धरा' नामक पुस्तक भी लिखी है। क्षेत्रीय जनता का मानना है कि जाखड़ के नाम पर पंचायत बनाकर सरकार ने उनके संघर्ष और सेवाभाव को यथोचित सम्मान दिया है।

60 हजार गाँवों में गठित ग्राम समितियाँ : गजेन्द्र सिंह

भारतीय किसान संघ का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग जयपुर में प्रारंभ

जयपुर टाइम्स

जयपुर, (का.सं.)।भारतीय किसान संघ, जयपुर संभाग का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग गुरुवार को आगरा रोड स्थित अपोलो वेटनरी कॉलेज में प्रारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री गजेन्द्र सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया कि किसान संघ ने देशभर के 60 हजार गाँवों में ग्राम समितियाँ गठित कर दी हैं। अब इन समितियों के कार्यकर्ताओं के शिक्षण और प्रशिक्षण हेतु अभ्यास वर्गों का आयोजन किया जा रहा है।

सिंह ने कहा कि संगठन की रीति-नीति को जानकर ही कार्यकर्ता ग्राम स्तर तक संगठन की प्रभावी उपस्थिति सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने ग्राम समितियों को सशक्त बनाकर ग्रामीण समस्याओं के समाधान में सहभागिता बढ़ाने का आह्वान किया।

जयपुर प्रांत सह प्रचार प्रमुख डॉ. लोकेश चन्देल ने बताया कि अभ्यास वर्ग में विभिन्न सत्रों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक दिशा-निर्देश, नीति-निर्माण, किसान हित में उठाए गए मुद्दे और आगामी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

इस अवसर पर मंच पर अखिल भारतीय महिला प्रमुख मंजू दीक्षित, प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण सिंह चौहान, प्रदेश मंत्री तुलसाराम सिंवर, कोषाध्यक्ष विरेंद्र सिंह, प्रचार प्रमुख राजीव दीक्षित, प्रांत अध्यक्ष कालूराम बाँगड़ा, प्रांत महामंत्री डॉ. सांवरमल सोलेट सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में संभाग अध्यक्ष पोखरमल जाट, संभाग प्रचार प्रमुख विनोद कालवानिया, जयपुर जिलाध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, जिला मंत्री लक्ष्मीनारायण यादव और उपाध्यक्ष बजरंगलाल शर्मा तिलपट्टी सहित जयपुर संभाग के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अभ्यास वर्ग में आगामी चुनावी वातावरण, न्यूनतम समर्थन मूल्य, कृषि सुधार, ग्रामीण युवाओं को कृषि से जोड़ने जैसे अहम विषयों पर भी चर्चा की जाएगी।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी की बड़ी पहल

अजमेर और जयपुर के 1.11 लाख किसानों को मिलेगा 50 करोड़ का फसल बीमा मुआवजा

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली/जयपुर-अजमेर, (निस)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) के तहत अजमेर और जयपुर जिलों के 1.11 लाख से अधिक किसानों को खरीफ 2023 सीजन का लंबित बीमा मुआवजा शीघ्र मिलने जा रहा है। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री एवं अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी के प्रभावी हस्तक्षेप के बाद यह बड़ा निर्णय सामने आया है। इस बीमा दावे की कुल राशि लगभग 50.08 करोड़ रुपये है, जो पात्र किसानों को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से वितरित की जाएगी।

चौधरी को मिली किसानों की शिकायतों के अनुसार, अजमेर जिले की ग्राम पंचायत तिहरी (श्रीनगर पंचायत समिति), बुहारू (सिलोरा पंचायत समिति) और जयपुर जिले की मौजमाबाद एवं फागी पंचायत समितियों के कई गांवों में किसानों को अब तक खरीफ 2023 का बीमा मुआवजा नहीं मिल पाया था। इसे देखते हुए केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने तत्परता से बीमा कंपनी AICL (एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड) और कृषि मंत्रालय से जवाब-तलब किया।

बीमा कंपनी ने मंत्रालय को जानकारी दी कि कुछ बीमा इकाइयों में उपज आंकड़ों को लेकर आपत्तियाँ थीं, जिसके चलते मुआवजा प्रक्रिया अटकी हुई थी। अब राज्य सरकार से संशोधित उपज आंकड़े प्राप्त हो चुके हैं और बीमा दावा भुगतान की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

भागीरथ चौधरी ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा किसानों के हितों के प्रति अत्यंत संवेदनशील हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की सर्वोच्च प्राथमिकता किसानों को उनके अधिकार समय पर और न्यायपूर्ण तरीके से दिलाना है।

उन्होंने बीमा कंपनी और संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि मुआवजा वितरण में किसी प्रकार की देरी या भेदभाव न हो। सभी पात्र किसानों को पारदर्शिता के साथ बीमा राशि प्रदान की जाए।

चौधरी ने यह भी बताया कि खरीफ 2024 के लिए राज्य सरकार से अब तक बीमा योजना के लिए सब्सिडी प्राप्त नहीं हुई है, जिससे आगामी सीजन की प्रक्रिया लंबित है। रबी 2024-25 की स्थिति पर मौसम के अनुसार लगातार निगरानी रखी जा रही है और जैसे ही सब्सिडी मिलती है, आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

इस निर्णय से राजस्थान के हजारों किसानों को बड़ी राहत मिलेगी और यह दर्शाता है कि सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

जल संकट लाइलाज नहीं है

*पानी आसानी से उपलब्ध न होने की वजह से उन्हें अपनी दिनचर्या का अधिक से अधिक समय पानी की व्यवस्था करने में लग जाता है।
प्रकृति ने तो प्रचुर मात्रा में पानी मुहैया कराया है लेकिन पानी की सप्लाई का उपयुक्त नेटवर्क विकसित न किए जा सकने जैसे मानवीय कारकों की वजह से पीने का शुद्ध पानी ज्यादा से ज्यादा लोगों की पहुंच से दूर होता जा रहा है। यूनेस्को की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दस साल में भारत में भूजल स्तर औसतन पैंसठ फीसद तक गिरा है। उत्तर प्रदेश में नवासी फीसद कुओं का जल-स्तर पिछले दस साल में लगातार घटा है। तेलंगाना में अट्ठासी फीसद, बिहार में अठहत्तर फीसद, उत्तराखंड में पचहत्तर फीसद और महाराष्ट्र में चौहत्तर फीसद कुएं जल-स्तर घटने की वजह से समस्या बन गए हैं। राजधानी दिल्ली में लगातार गिरता भूजल-स्तर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। 1983 में करीब तैंतीस फुट खुदाई करने पर ताजा पानी मिल*

अंतरराष्ट्रीय एनजीओ 'वाटर एड' का कहना है कि दुनिया का हर दसवां प्यासा व्यक्ति ग्रामीण भारत में रहता है। पीने के साफ पानी की कमी की समस्या भले ही वैश्विक स्तर पर हो, लेकिन भारत के लिए यह संकट कितना भयावह है इसे सिर्फ एक आंकड़े से समझा जा सकता है। देश की सड़सठ फीसद आबादी गांवों में रहती है, यानी 83 करोड़ 80 लाख लोग ग्रामीण भारत का हिस्सा हैं। इनमें से छह करोड़ तीस लाख लोगों को पानी मयस्सर नहीं है। इन प्यासे लोगों की संख्या ब्रिटेन की कुल आबादी के बराबर है और इन लोगों को अगर एक लाइन में खड़ा कर दिया जाए तो न्यूयार्क से सिडनी और फिर सिडनी से न्यूयार्क तक दो लाइनें बन सकती हैं। पिछले साल सरकार ने भी माना था कि देश की एक चौथाई आबादी सूखा पीड़ित है। वैसे पूरी दुनिया में 66 करोड़ 30 लाख प्यासे लोग हैं जिनमें पचास करोड़ लोग ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। यूनेस्को की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दस साल में भू-जल स्तर पैंसठ फीसद तक गिर गया है। जमीन से खींचे गए पानी के इस्तेमाल के मामले में भारत दुनिया में पहले नंबर पर आता है। अस्सी फीसद से ज्यादा पानी की जरूरत भूजल से पूरी होती है। सरकारी स्तर पर किए गए भूजल स्रोत के आकलन में भी माना गया है कि भूजल के छठे से ज्यादा हिस्से का इस्तेमाल हो चुका है। इससे संकट का एक और रूप सामने आया है। दुनिया में अव्वल रहते हुए अपने गांवों में सबसे ज्यादा प्यासे लोगों का होना कोई गौरव की बात नहीं है। इस मामले में जो अन्य नौ शीर्ष देश हैं उनमें दूसरे नंबर पर चीन के बाद नाइजीरिया, डीआर कांगो, इथोपिया, इंडोनेशिया, तंजानिया, बांग्लादेश, अफगानिस्तान व केन्या जैसे देश शामिल हैं। आबादी के अनुपात में इन आंकड़ों को तार्किक माना जा सकता है लेकिन विकास और प्रगति की अवधारणा तो इससे ध्वस्त होती ही है। तमाम सरकारी दावों के बावजूद यह स्थिति इसलिए सबसे ज्यादा दयनीय लगती है कि पीने का पानी जुटाना अपने देश में मुख्य रूप से महिलाओं व लड़कियों की जिम्मेदारी माना जाता है। पानी आसानी से उपलब्ध न होने की वजह से उन्हें अपनी दिनचर्या का अधिक से अधिक समय पानी की व्यवस्था करने में लग जाता है। प्रकृति ने तो प्रचुर मात्रा में पानी मुहैया कराया है लेकिन पानी की सप्लाई का उपयुक्त नेटवर्क विकसित न किए जा सकने जैसे मानवीय कारकों की वजह से पीने का शुद्ध पानी ज्यादा से ज्यादा लोगों की पहुंच से दूर होता जा रहा है। यूनेस्को की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दस साल में भारत में भूजल स्तर औसतन पैंसठ फीसद तक गिरा है। उत्तर प्रदेश में नवासी फीसद कुओं का जल-स्तर पिछले दस साल में लगातार घटा है। तेलंगाना में अट्ठासी फीसद, बिहार में अठहत्तर फीसद, उत्तराखंड में पचहत्तर फीसद और महाराष्ट्र में चौहत्तर फीसद कुएं जल-स्तर घटने की वजह से समस्या बन गए हैं। राजधानी दिल्ली में लगातार गिरता भूजल-स्तर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। 1983 में करीब तैंतीस फुट खुदाई करने पर ताजा पानी मिल जाता था। 2011 तक पानी 132 फुट नीचे चला गया। देश के कुछ राज्यों मसलन

तमिलनाडु, असम, राजस्थान और हरियाणा में कुओं का जल-स्तर चौवालीस से पैंसठ फीसद बढ़ा है तो बारिश के बदलते पैटर्न की वजह से। यानी उसमें योजनबद्ध तकनीक अपनाए जाने का कोई खास योगदान नहीं रहा। समस्या वैश्विक है। 'वाटर एड' का अनुमान है कि 2050 तक दुनिया की चालीस फीसद से ज्यादा आबादी पर जल संकट की छाया रहेगी। अब भी समस्या कोई कम खतरनाक नहीं। दुनिया के जिन देशों की ग्रामीण आबादी साफ पानी के बिना जी रही है, उनमें अंगोला के 71.8 फीसद ग्रामीण, डीआर कांगो के 68.8 फीसद ग्रामीण और पापुआ न्यू गिनी के 67.2 फीसद ग्रामीण हैं। मैडागास्कर (64.7 फीसद), मोजांबिक (62.9 फीसद) और चाड (55.2 फीसद) भी बेहतर स्थिति में कहां हैं? नाइजीरिया व इथोपिया में करीब चार करोड़ नब्बे लाख ग्रामीण आज पीने के साफ पानी को तरस रहे हैं तो आगे क्या होगा, इसकी कल्पना ही कंपकंपा देती है। विशेषज्ञ जल संकट के पीछेकई कारण गिनाते हैं। 2016 में लगातार तीसरे साल वैश्विक तापमान रिकार्ड स्तर पर बढ़ा। 'वाटर एड' ने मौसम के मिजाज में अप्रत्याशित रूप से आने वाले बदलाव को इसकी मुख्य वजह बताया है। इस बदलाव से या तो तूफान अथवा बाढ़ आ जाती है नहीं तो सूखा पड़ जाता है, जिससेनदी, तालाब और झरने सूख जाते हैं। ज्यादा खतरनाक बात यह है कि यह बदलाव कई बीमारियों का जनक बनता जा रहा है। हर साल गंदे पानी के निकास और साफ-सफाई की उपयुक्त व्यवस्था न होने की वजह से तीन लाख पंद्रह हजार से ज्यादा बच्चे अकाल मौत के शिकार हो जाते हैं। दुनिया भर में कुपोषण के आधे से ज्यादा मामले खराब पानी से उपजी बीमारियों की देन होते हैं। लगातार बढ़ती आबादी एक अलग खतरे का संकेत है। 2030 तक दुनिया की आबादी 850 करोड़ और 2050 तक 970 करोड़ हो जाने का अनुमान है। इससे पानी की मांग और बढ़ेगी। पानी की समस्या के गहराते जाने के दो खास कारण हैं। एक, पानी का अविवेकपूर्ण दोहन और निरंकुश इस्तेमाल, और दूसरा, पानी का व्यवसायीकरण। अविवेकपूर्ण दोहन का हाल यह है कि देश में 'डार्क जोन' बढ़ते जा रहे हैं, यानी ऐसे इलाके जहां भूजल निकालना या पाना संभव नहीं रह गया है। पानी के निरंकुश इस्तेमाल के नजारे हर रोज हर तरफ दिखते हैं। पानी के व्यवसायीकरण की गति इतनी तेज है कि 2008 की विश्वव्यापी महामंदी के दौरान भी पानी का कारोबार फलता-फूलता रहा। कुछ लोगों का मानना है कि पानी के व्यवसायीकरण से लोग पानी की कीमत समझेंगे और तभी पानी की बर्बादी रुकेगी। अगर यह तर्क सही है तो पानी की बर्बादी पर रोक लगने की प्रक्रिया काफी तेज हो जानी चाहिए थी। क्या ऐसा हुआ है? जल संकट लाइलाज बीमारी नहीं है, यह कुछ गरीब विकासशील देशों ने दिखाया भी है। पैराग्वे में वर्ष 2000 में 51.6 फीसद ग्रामीण आबादी को पीने का पानी उपलब्ध था। 2015 में यह आंकड़ा बढ़ कर 94.9 फीसद हो गया। इन पंद्रह सालों में मलावी में भी गांव-गांव तक पानी पहुंचाने में खासी सफलता मिली। वर्ष 2000 में वहां 57.3 फीसद ग्रामीण आबादी को ही पानी मयस्सर था। 2015 आते-आते वहां 89.1 फीसद आबादी की प्यास बुझा दी गई। जाहिर है, यह किसी चमत्कार से नहीं हुआ। सरकार और आम लोगों की सामूहिक भागीदारी से ही यह संभव हो पाया। भारत में जल संचय की पुरानी परंपरा रही है। राजस्थान में बारिश के पानी को सुरक्षित रखने का काम तो बिना किसी सरकारी मदद के सामाजिक स्तर पर सदियों से किया जाता रहा। दक्षिण में मंदिरों के पास तालाब बनवाने का पुराना रिवाज रहा ही। लेकिन समय बदलने के साथ-साथ प्राथमिकताएं बदल गई हैं। तेजी से गहराते जल संकट के बीच सरकारी तंत्र की रुचि कागजी परियोजनाओं तक सिमट कर रह गई है। कानून बनाने या सर्वेक्षण कराने अथवा आकलन की कवायद ही ज्यादा होती रही है।

सम्पादकीय

हादसों से नहीं ली जा रही सीख, पटरी से लगातार उतर रही ट्रेन

किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि आगे ऐसे इंतजाम किए जाएं ताकि वैसी घटना दोबारा न हो। मगर विडंबना है कि लगभग एक ही प्रकृति के हादसों का सिलसिला बना रहता है। सरकार की ओर से आगे सब ठीक करने के आश्वासन से ज्यादा कुछ भी ठोस सामने नहीं आता। पिछले कुछ वर्षों से देश भर में रेल हादसों की जैसी खबरें आ रही हैं, उससे यही लगता है कि रेल सुरक्षा को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है और कभी भी किसी दुर्घटना की खबर आ सकती है। सवाल है कि अगर देश के अलग-अलग हिस्सों में आए दिन रेलगाड़ियां हादसों का शिकार हो रही हैं, तो उसके लिए किसकी जवाबदेही बनती है और उसमें सुधार के लिए ठोस उपाय करने की जिम्मेदारी किसके कंधे पर है। गौरतलब है कि ओड़ीशा के कटक जिले के निर्गुड़ी में रविवार को बंगलुरु-कामाख्या एसी एक्सप्रेस के ग्यारह डिब्बे पटरी से उतर गए। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और अन्य कई लोग घायल हो गए। हो सकता है कि कटक में हुई दुर्घटना में जानमाल का ज्यादा नुकसान न होना राहत की बात मानी जाए, लेकिन ग्यारह डिब्बों का पटरी से उतरना एक गंभीर घटना ही है। सच यह है कि एक छोटी चूक या लापरवाही की वजह से बहुत सारे लोगों की जान पर बन आती है और इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें ट्रेन हादसे में बड़ी संख्या में लोगों की जान चली गई। ऐसे हर हादसे के बाद सरकार की ओर से जांच और कार्रवाई करने की बात कही जाती है, लेकिन सवाल है कि चलती ट्रेन के पटरियों से उतरने और उससे उपजे जोखिम से यात्रियों को कब मुक्ति मिलेगी। लोग कब इस आशंका से पूरी तरह मुक्त होकर किसी ट्रेन से सफर करेंगे कि वह हादसे का शिकार न हो और वे सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच जाएं? अक्सर ऐसी खबरें सुर्खियों में होती हैं, जिनमें बताया जाता है कि रेलवे विभाग जल्दी ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा मुहैया कराने वाला है। इस तरह के सरकारी दावों के बरक्स हकीकत यह है कि आए दिन किसी ट्रेन के पटरी से उतर जाने की खबर आती है, तो कभी किसी अन्य हादसे की। अगर दुर्घटना को लेकर लोगों के भीतर किसी तरह का केवल डर भी बैठता है, तो इसका कारण लगातार होने वाले रेल हादसे ही होते हैं। जितने दावे नई और तमाम सुविधाओं से लैस आधुनिक ट्रेनें चलाने के किए जाते हैं, उतना ही ध्यान अगर ट्रेनों के संचालन, बुनियादी ढांचे के विकास और उसके मजबूत करने पर दिए जाएं, तो शायद हादसों को कुछ लगाम दिया जा पाता। विचित्र है कि ट्रेनों की रफ्तार और उनके बोझ में तो लगातार इजाफा हो रहा है, मगर उसी मुताबिक पटरियों की गुणवत्ता और व्यवस्थागत पहलू को भी बेहतर करना जरूरी नहीं समझा जाता। सवाल है कि सिर्फ इस मामले में बरती जाने वाली उपेक्षा की वजह से अगर कोई रेलगाड़ी पटरी से उतर जाती है और हादसा हो जाता है, तो क्या सिर्फ जांच और कार्रवाई के आश्वासन के जरिए इस समस्या से पार पाया जा सकता है? आधुनिक शक्ल और महंगे किराए वाली ट्रेनें चलाने के बीच आए दिन छोटे-बड़े हादसे सामने आ रहे हैं और दूसरी ओर, भारतीय रेल महकमे में बड़ी तादाद में रिक्तियां पड़ी हुई हैं।

अपराध का मानस

आखिर उनकी मौत हो गई। यह घटना एक बार फिर बताती है कि इस देश में अपराधियों के हौसले किस तरीके से बुलंद हैं। उन्हें शायद कानून, संविधान, प्रशासन व्यवस्था, समाज- किसी का भय नहीं है। यह बात बहुत हैरान करती है कि इस तरह की तालिबानी और खतरनाक प्रवृत्ति के लोग समाज में आखिर पनपते कैसे हैं।

यह घटना सभ्य समाज के नाम पर धब्बा है और महिला सुरक्षा के नाम पर जो सरकारें ढोल पीटती हैं, उसकी पोल खोलती है। गौरतलब है कि इंदौर में कुछ समय पहले 'कमिश्नर प्रणाली' लागू की गई थी, जिसका मूल उद्देश्य था कि शहर में शांति, महिला सुरक्षा आदि स्थापित की जाए और शहर को अपराध-मुक्त किया जाए। हमें गंभीरता से सोचना होगा कि हमारे देश में इस प्रकार की घटनाएं बारंबार क्यों होती रहती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। मुख्य रूप से पहला कारण है यहां की न्यायिक प्रक्रिया, जिसमें न्याय मिलने में इतना विलंब होता है कि आदमी हार जाता है। आरोपी बेफिक्र रहता है कि अदालत में मुकदमा चलता रहेगा और उसका कोई नुकसान नहीं होगा। जबकि न्यायालय को इन मामलों में तत्काल प्रभाव से कानूनी कार्रवाई के तहत जल्द से जल्द फैसला देना चाहिए, क्योंकि कुछ घटनाओं पर तात्कालिक फैसले अधिक प्रभावी होते हैं। इसके अलावा, हमारी शिक्षा व्यवस्था और परिवार नियंत्रण की कमी भी एक बड़ा कारण है। अक्सर ऐसी घटनाओं के पीछे व्यक्ति में गुणवत्ता वाली शिक्षा का अभाव होता है। परिवारों को भी यह ध्यान रखने की आवश्यकता है कि उनकी पीढ़ी किन गतिविधियों में लिप्त है। उसके व्यवहार पर नजर रखनी चाहिए। फिर हमारे देश की जटिल कानून प्रक्रिया के बारे में सभी जानते हैं। स्पष्ट रूप से नजर आता है कि अपराधी कौन है और उसने ऐसा क्यों किया है, तब भी यहां की कानूनी प्रक्रिया इतनी जटिल है कि आरोपी को अदालत तक पहुंचाने में ही एक लंबा समय लग जाता है। अक्सर पर्व-त्योहार के मौके पर मिलावटी खाद्य पदार्थों की चर्चा जोर-शोर से होने लगती है। लोगों को हिदायत दी जाने लगती है कि वे मिलावटी मिठाई और खाद्य पदार्थों को पहचानें और उससे बचें। आखिर लोगों की जान से खेल कर अपनी तिजोरी भरने की चाहत रखने वाले लोग कैसे धार्मिक, राष्ट्रवादी होने का दावा कर सकते हैं? आम जन का काम है उचित दाम चुका कर वस्तुओं को खरीदना, न कि उसे घर पर लाकर किसी प्रयोगशाला विशेषज्ञ की तरह उस मिलावटी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच करना। यह काम तो पूरी तरह प्रशासन का है। व्यापार का भी एक सिद्धांत, नियम, कसौटी है। गांधीजी के इस संबंध में स्पष्ट विचार हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि सभी अपने अपने कर्म से विरत हो रहे हैं। आमजन रोजी-रोटी-रोजगार के प्रबंध में जुटा है। पर्व-त्योहार के मौके पर उसे अवकाश मिलता है। वह अपनी सीमा, क्षमता में रहकर खुशियां मनाएं या मिलावटी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच करे? हालांकि जो व्यापारी मिलावटी खाद्य पदार्थों को बेचते हैं। उसका विरोध व्यापारी समुदाय को भी करना चाहिए। ऐसे लोगों को हतोत्साहित करना चाहिए, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कराना चाहिए, ताकि वे ऐसे मिलावटी खाद्य पदार्थों को बेचने से परहेज करें। अनुचित लाभ कमाना कभी व्यापारिक मानक नहीं हो सकता है। लिहाजा रंग में भंग न पड़े, इसके लिए चतुर्दिक प्रयास की जरूरत है। भारतीय न्याय व्यवस्था में समय और न्याय के बीच दूरियां बढ़ रही हैं। न्यायालयों में लंबित मामलों के चलते न्याय पाने वालों का खर्च और धैर्य शक्ति जवाब दे रही है। एक मामले की सालों साल सुनवाई चलने पर लोग बुरी तरह प्रभावित होते हैं।

सिनेमा को नई दिशा देता हरियाणा सिने फाउंडेशन

सुशील कुमार 'नवीन'

कोरोना काल के बाद सोशल मीडिया का प्रयोग बहुत तेजी से बढ़ा है। केवलमात्र मनोरंजन के उद्देश्य से शुरू हुआ यह प्रयोग आज एक बहुत बड़ा व्यवसायिक रूप धारण कर चुका है। क्या नेता,क्या अभिनेता, क्या गायक, क्या संगीतकार सब अपने आप को इसकी गिरफ्त से बचा नहीं पाये हैं। दुनिया भर के लोग इसके माध्यम से अपनी छुपी प्रतिभा को प्रदर्शित कर रहे हैं। अब इसका सदुपयोग कैसे हो? इसका लाभ सकारात्मक दिशा में किस तरह बढ़े? क्रिएटिववीटी में इसका सार्थक और सही प्रयोग किस प्रकार हो? इस बारे में सही दिशा और मार्गदर्शन की जरूरत महसूस हुई। ऐसे समय में जब सब निराशा और भय के माहौल में थे। उनमें नए उत्साह और जोश का संचार करने के उद्देश्य से सिने फाउंडेशन हरियाणा ने पहल की। ऑनलाइन माध्यम से ही छिपी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देने के लिए मंच प्रदान किया। ऑनलाइन ही प्रशिक्षण दिए गए। परिणाम बेहतर रहे तो आयोजनों को और भव्य बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए गए। जो साल दर साल और प्रगति की राह की ओर अग्रसर है। सिने फाउंडेशन के इन महोत्सवों में अभिनेता राजकुमार राव, रणदीप हुडा, अभिनेत्री ईशा गुप्ता से लेकर पंजाबी गायक दलेर मेहंदी, पम्मी बाई, पटकथा लेखिका अद्वैत काला, प्रसिद्ध निर्माता निर्देशक चंद्र प्रकाश द्विवेदी, विवेक रंजन अग्निहोत्री (कश्मीर फाइल फ्रेम) , सुदीपो सेन (केरला स्टोरी) आदि शिरकत कर चुके हैं। इसके अलावा पदमश्री महावीर गुड्डु,अतुल गंगवार, मनीष सैनी, अमृत राय,दीपक दुआ, राजीव भाटिया,संदीप शर्मा, जोशी मलंग, विनय सिंघल, संदीप भूतोडिया,विपुल अमृतलाल शाह, अमिताभ वर्मा ,अनूप लाठर, महासिंह पूनिया आदि ने भी लगातार इन महोत्सवों में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है। हरियाणवीं संस्कार और संस्कृति के संरक्षण और हरियाणा के गौरवशाली इतिहास को दुनिया के सामने लाने के लिए सिने फाउंडेशन हरियाणा (विश्व संवाद केंद्र) द्वारा शुरू किए गए इस तरह के प्रयास रंग अब लाने लगे हैं। बीते पांच वर्षों में 28 से अधिक विभिन्न संस्थानों में 58 प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से 8200 छात्रों को न केवल सिनेमा क्षेत्र में कार्य के लिए प्रशिक्षित किया गया है, अपितु उन्हें उनकी प्रतिभा को विश्वस्तर पर पहचान दिलाने के लिए एक बेहतरीन मंच भी प्रदान किया गया है। अब तक तीन बड़े हरियाणा फिल्म महोत्सव के माध्यम से तीन सौ से अधिक लघु फिल्मों, वृतचित्र (डाक्यूमेंट्री), रील को लाखों लोगों तक पहुंचाने का काम किया जा चुका है। भारतीय चित्र साधना और विश्व संवाद केंद्र के साथ सिने फाउंडेशन द्वारा पिछले सात वर्षों से हरियाणा फिल्म महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। स्थापना की शुरुआत से ही सिने फाउंडेशन का आयोजन के प्रति उद्देश्य सीधी तरह से साफ है। इसके तहत हरियाणा के गौरवशाली इतिहास, संस्कार-संस्कृति से जुड़े विषयों को प्रमुखता दी जा रही है। सिने फाउंडेशन का मानना है कि समाज और राष्ट्र को सही दिशा और पहचान युवा वर्ग ही दे सकते हैं। प्रतिभाओं की देश में कोई कमी नहीं है। सोशल मीडिया आज क्रिएटिव सोच रखने वालों से भरा पड़ा है। ऐसे में इनकी क्रिएटिविटी का प्रयोग समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए सकारात्मक रूप से किया जा सकता है।फाउंडेशन इसी सोच के साथ नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर युवाओं को शॉर्ट मूवी, एनिमेशन फिल्में व डाक्यूमेंटरी बनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। इससे अधिक से अधिक युवा प्रेरणा लेकर हरियाणा के गौरव से जुड़ी शॉर्ट मूवी, एनिमेशन फिल्में व डाक्यूमेंटरी बना रहे हैं। सिने फाउंडेशन के सहयोग से रोहतक के महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय में हाल ही में प्रांत स्तर पर हरियाणा फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया है। ऐसा नहीं है कि इस तरह का यह पहला आयोजन था। इससे पूर्व भी इस तरह का आयोजन एक बार ऑनलाइन तथा दूसरी बार हिसार में किया गया है। आयोजन में केवल आवेदन मांगकर पुरस्कार देकर इतिश्री नहीं किया जा रहा, अपितु क्रिएटर्स की क्रिएटिविटी और बेहतर कैसे अपग्रेड हो इस पर फोकस किया जाता है। आयोजन से पहले विभिन्न संस्थानों में वर्कशॉप आयोजित कर युवाओं को इसके लिए प्रेरित किया जाता है। फिर आयोजन में प्रख्यात फिल्म निर्देशकों को आमंत्रित कर फिल्म महोत्सव में फिल्म मैकिंग को लेकर प्रशिक्षण भी दिया जाता है। इसके परिणामस्वरूप फिल्म मैकिंग के क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर इस क्षेत्र में आगे बढ़कर हरियाणा का नाम रोशन कर रहे हैं।

फिल्म महोत्सव के लिए विश्व संवाद केंद्र द्वारा इस बार रोहतक के आयोजन के लिए प्रदेशभर के संस्थानों में 23 कार्यशालाओं का आयोजन कर फिल्म मैकिंग से जुड़े युवाओं को प्रेरित किया गया है। इन कार्यशालाओं में लगभग एक हजार से अधिक युवाओं द्वारा भागीदारी की गई है। इसी का सकारात्मक परिणाम है कि हरियाणा फिल्म महोत्सव के लिए इस बार 98 शॉर्ट मूवी व डाक्यूमेंटरी पहुंचीं। इन शॉर्ट मूवी व डाक्यूमेंटरी

खाकी के सेट पर घबरा गई थीं चित्रांगदा सिंह

चित्रांगदा सिंह की खाकी- द बंगाल चैप्टर वेब सीरीज हाल ही में रिलीज हुई। सीरीज के रिलीज होने के बाद एक्ट्रेस ने शूटिंग के कुछ किस्से शेयर किए। उन्होंने कहा कि वह शूटिंग के समय 400 लोगों के सामने काफी नर्वस फील कर रही थीं। चित्रांगदा सिंह ने सेट के किस्से शेयर करते हुए कहा कि कुछ मोमेंट ऐसे हैं, जिन्हें वह कभी नहीं भूल पाएंगी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए चित्रांगदा ने बताया, 'एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा चैलेंजिंग किरदारों को चुनती हूं। नॉर्मल किरदार निभाना कॉमिक बुक जैसा लगता है।'

एक सीन में 400 लोगों के सामने भाषण देना पड़ा

चित्रांगदा ने कहा कि निबेदिता बसाक की भूमिका निभाना मुश्किल था। एक स्पेशल सीन को करते हुए एक्ट्रेस को काफी घबराहट हुई। उन्होंने कहा, फिल्म के सेट पर मुझे करीब 400 लोगों के सामने भाषण देना था। इस सीन को विक्टोरिया मेमोरियल के ठीक सामने एक बड़े मैदान में शूट किया गया था। मैंने डायरेक्टर के साथ वैन में अपने भाषण की प्रैक्टिस की। लेकिन जैसे ही मैं स्टेज पर चढ़ी और रेडी टू रोल सुना, मुझे काफी घबराहट होने लगी और मैं कुछ सेकेंड के लिए फ्रिज हो गई थी। हालांकि, भीड़ की एनर्जी ने मुझे आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट किया। यह मोमेंट मुझे हमेशा याद रहेगा।

20 मार्च को रिलीज हुई थी वेबसीरीज

'खाकी- द बंगाल चैप्टर' नेटफ्लिक्स पर हिंदी और बंगाली में एक साथ स्ट्रीम होने वाली पहली हिंदी सीरीज है। इसमें चित्रांगदा सिंह, निबेदिता बसाक की भूमिका में नजर आ रही हैं। इनके अलावा जीत मदनानी, प्रोसेनजीत चटर्जी, परमब्रत चटर्जी भी लीड रोल में हैं। खाकी- द बंगाल चैप्टर वेब सीरीज 20 मार्च 2025 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। यह सीरीज 'खाकी- द बिहार चैप्टर' का स्टैंड अलोन सीक्वल है। इसको नीरज पांडे ने क्रिएट किया है।

जल्द ही एक्ट्रेस हाउसफुल 5 और रात अकेली है 2 में दिखेंगी।

चित्रांगदा सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस जल्द ही 'हाउसफुल 5' में दिखेंगी। फिल्म में वह अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी। हाउसफुल 5 का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है। फिल्म में चित्रांगदा और अक्षय कुमार के अलावा फरदीन खान, पूजा हेगड़े, रितेश देशमुख, श्रेयस तलपड़े, अभिषेक बच्चन के साथ जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, और सौंदर्या शर्मा भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म 6 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मैं किसी भी शादीशुदा इंसान को डेट नहीं करूंगी

अभिनेता जीवी प्रकाश ने पिछले साल अपनी पत्नी गायिका सैंधवी से तलाक ले लिया था। इस मामले को भी लोग अभिनेत्री दिव्याभारती से जोड़ रहे हैं, साथ ही दोनों के बीच अफेयर्स की अफवाहें भी उड़ रही हैं। अभिनेत्री ने इन सब बातों पर चुप्पी तोड़ी और सभी को झूठा बताया है। आइए जानते हैं अभिनेत्री ने क्या कहा।

अभिनेत्री का इन मुद्दों से कोई संबंध नहीं

साउथ अभिनेत्री दिव्याभारती ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा है कि जानबूझकर उनका नाम किसी के निजी जीवन में जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि जीवी प्रकाश के पारिवारिक मामले से उनका कोई संबंध नहीं है। साथ ही अभिनेत्री ने लिखा कि वो कभी किसी अभिनेता को डेट नहीं करेंगी और किसी शादीशुदा इंसान को तो हरगिज नहीं। इसके अलावा अभिनेत्री ने स्टोरी में लिखा कि वह पहले तो इसका जवाब नहीं देना चाहती थी, लेकिन जब अफवाहें बढ़ने लगी तो उन्हें जवाब देना पड़ा।

वह एक स्वतंत्र महिला है

इसी पोस्ट में आगे बताते हुए अभिनेत्री ने कहा कि वह एक स्वतंत्र और मजबूत महिला हैं। साथ ही उन्होंने लोगों से नकारात्मकता फैलाने की बजाय सकारात्मकता पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही और अनुरोध किया कि उनका सम्मान किया जाए।
एक नजर मामले और अभिनेत्री की ओर जीवी प्रकाश ने पिछले साल अपनी पत्नी सैंधवी से 11 साल तक रिश्ते में रहने के बाद तलाक ले लिया था। अब इस मामले में लोगों का कहना है कि उनका रिश्ता टूटने के पीछे अभिनेत्री दिव्याभारती का हाथ है। साथ ही इन दोनों के अफेयर्स की अफवाहें भी उड़ाई जा रही हैं। हालांकि, आपको बताते चलें कि अभिनेत्री ने जीवी प्रकाश के साथ बैचलर और किंग्सटन जैसी फिल्मों में काम किया है।

पांच साल बाद पार्थ समथान की टीवी की दुनिया में वापसी!

अभिनेता पार्थ समथान को आखिरी बार 'कसौटी जिंदगी की सीजन 2' में देखा गया था। इस शो में वह एरिका फर्नांडिस के साथ नजर आए थे। अब वह टेलीविजन पर वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेता कथित तौर पर सीआईडी 2 में दिखाई देंगे। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पार्थ सीआईडी 2 में अभिनय करेंगे। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में खबर आई की शिवाजी साटम (एसीपी प्रद्युमन) शो को अलविदा कहने वाले हैं। आगामी एपिसोड में उनकी मौत से जुड़ा दुखद मोड़ दिखाया जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस पर अभी कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह एक लंबी छुट्टी का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें सीआईडी की आगामी शूटिंग के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है। पार्थ ने साल 2024 में आई फिल्म 'घुड़चढ़ी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। इसके पहले वह कई सारे टीवी शो में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं।

अजय देवगन को भाया 'केसरी 2' का ट्रेलर

अक्षय कुमार, आर माधवन और अनन्या पांडे अभिनीत फिल्म 'केसरी 2' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म की कहानी जलियांवाला बाग हत्याकांड पर आधारित है। इसमें अक्षय कुमार ने वकील शंकरन नायर की भूमिका निभाई है। जलियांवाला बाग में हुए नरसंहार के लिए जिम्मेदार ब्रिटिश अधिकारी रेजिनाल्ड एडवर्ड हैरी डायर को कोर्ट में सजा दिलाने की नायर ठान लेते हैं। फिल्म 'केसरी 2' के ट्रेलर को देखकर दर्शकों के रोंगटे खड़े हो गए। सोशल मीडिया यूजर्स ने इस ट्रेलर की खूब तारीफ की है। साथ ही अभिनेता अजय देवगन ने भी फिल्म को सराहा है।

अक्षय की तारीफों के पुल बांध दिए

फिल्म 'केसरी 2' का ट्रेलर देखकर कई सोशल मीडिया यूजर्स अक्षय कुमार की तारीफ करते नहीं थके। एक यूजर ने लिखा, 'यह बिल्कुल भी बॉलीवुड फिल्म नहीं लगती है। फिल्म के किरदार बहुत ही कमाल के हैं। साथ ही शंकरन नायर की भूमिका में अक्षय से बेहतर कलाकार कोई हो नहीं सकता था। अच्छा लगा कि बॉलीवुड ने अपनी गलतियों से सीखा है और खुद को बेहतर बनाने पर काम किया है।' एक यूजर ने लिखा, 'अक्षय कुमार एक मास्टरपीस फिल्म लेकर आए हैं।' कई यूजर्स ने इस फिल्म को अक्षय कुमार का कमबैक तक कह दिया। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर 'केसरी 2' का ट्रेलर साझा किया है। साथ ही एक खास मैसेज भी लिखा है। अजय देवगन लिखते हैं, 'भगत सिंह की लड़ाई, संघर्ष सड़क पर था, ये लड़ाई कोर्ट रूम में है। इन दोनों ही चीजों ने इतिहास को बदल दिया। 'केसरी 2' के लिए मेरे दोस्त अक्षय कुमार और पूरी टीम को बधाई।' इस तरह अजय देवगन ने भी फिल्म 'केसरी 2' को सराहा है। फिल्म में अक्षय कुमार का किरदार शंकरन नायर एक सीन में ब्रिटिश अधिकारी डायर को एक डायलॉग बोलते हैं, 'द एंपायर की श्रिंकिंग'। यह डायलॉग फैंस को खूब भाया है। इस डायलॉग को सोशल मीडिया यूजर्स ने खूब पसंद किया है।

आर माधवन-अनन्या की भी तारीफ हुई

अक्षय कुमार के अलावा फिल्म 'केसरी 2' में आर माधवन और अनन्या पांडे भी वकील की भूमिका निभा रहे हैं। अक्षय के सामने आर माधवन चुनौती बनकर खड़े हैं। दोनों की टक्कर ट्रेलर में देखने लायक है। कई यूजर्स ने आर माधवन को भी सराहा है। एक यूजर लिखता है, 'आर माधवन का एंट्री सीन कमाल का है।' वहीं एक दूसरा यूजर लिखता है, ' आर माधवन के अलावा अनन्या भी फिल्म में अच्छी लग रही हैं। इस टॉपिक पर फिल्म बनाना बहुत बड़ी बात है।'

क्लोज और नेपोटिस्ट इंडस्ट्री है हॉलिवुड बाहर वालों को नहीं घुसने देते

कहानी घर घर की, देश में निकला होगा चांद और बा बहू और बेबी जैसे मशहूर टीवी शोज की ऐक्ट्रेस श्वेता केसवानी करीब डेढ़ दशक पहले ये सारी शोहरत और पहचान को प्यार और परिवार के लिए छोड़कर सात समंदर पार एक नए देश न्यूयॉर्क में बस गई। श्वेता का कहना है कि बाहर से आए कलाकारों के लिए हॉलिवुड में घुसना टेढ़ी खीर है।

आप भारत में एक मशहूर ऐक्ट्रेस थीं। ऐसे में, इंडिया छोड़कर न्यूयॉर्क में बसने और हॉलिवुड में हाथ आजमाने का फैसला कैसे किया? और यह सफर कैसा रहा?

साल 2010 में मैं न्यूयॉर्क में एक एक्टिंग कोर्स करने गई थी। वहां मैं अपने पति केन एंडीनो से मिली। पहले हम लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में रहे, मगर जब हमने साथ रहने का फैसला किया तो मैंने सोचा कि मैं वहां मूव करने का चांस लेती हूं, क्योंकि ऐसा नहीं था कि मुझे सिर्फ अफेयर करना था। मुझे अपना घर बनाना था। मैं अपना बच्चा चाहती थी और जब बच्चा होता है तो मां को एक ब्रेक लेना पड़ता है क्योंकि बच्चे को मां की जरूरत होती है। ऐसे में, मैंने सोचा कि एक नए मार्केट को एक्सप्लोर करने में कोई बुराई नहीं है, क्योंकि बेशक इंडिया में नाम था, पर सास-बहू के सीरियल ही चल रहे थे। जब मैं कोर्स करने आई थी तब टीवी में हम जैसे स्थापित एक्टर्स के लिए माहौल ठंडा था, क्योंकि नए चेहरे बहुत कम फीस पर काम कर रहे थे तो मेकर्स नए लोगों को चांस दे रहे थे। मुझे जो ऑफर मिल रहे थे, वे मुझे पसंद नहीं आ रहा थे तो मैंने सोचा कि अगर यूनिवर्स ने मुझे इस आदमी से मिलाया है तो कोई वजह होगी। हालांकि, हॉलिवुड में घुसने का सफर बहुत चैलेंजिंग था। मुझे इंडस्ट्री में रिलेशनशिप बनाने में ही 13 साल लग गए।

हॉलिवुड फिल्मों में आम तौर पर भारतीय एक्टर्स को छोटे-मोटे रोल या ड्राइवर-वर्कर जैसे कम आदमनी वाले किरदारों में ही कास्ट किया जाता है। आपका अनुभव क्या रहा है?

आपने बिल्कुल सही कहा। हॉलिवुड बहुत ही क्लोज, नेपोटिस्ट इंडस्ट्री है। उनके गार्ड होते हैं, जो हॉलिवुड में नॉन हॉलिवुड के लोगों को घुसने नहीं देना चाहते। नॉन हॉलिवुड के जो भी लोग हॉलिवुड में आए हैं, उन्होंने बहुत ज्यादा मेहनत की है। यकीन मानिए, हॉलिवुड रूपी किले को भेदना मजाक नहीं है। रोल देते वक्त हमें सिर्फ एशियन डायस्पोरा के करैक्टर के लिए सोचा जाता है यानी सिर्फ साउथ एशियन नहीं, मिडिल इस्टर्न, नेटिव अमेरिकन, हम सबको एक एक ब्रैकेट में डाल दिया है, तो अगर कोई ब्राउन या नॉन अमेरिकन एक्टर चाहिए तब उन्हें हमारी याद आती है और इतने बड़े सागर, जिसमें जपान, कोरिया, भारत, नेटिव अमेरिकन, मिडिल ईस्ट, सब जगह के लोग हैं, उनमें से ऑडिशन होता है, तो मैं साल में 100 ऑडिशन करूं तो कहीं जाकर 2 बुकिंग मिलती है।

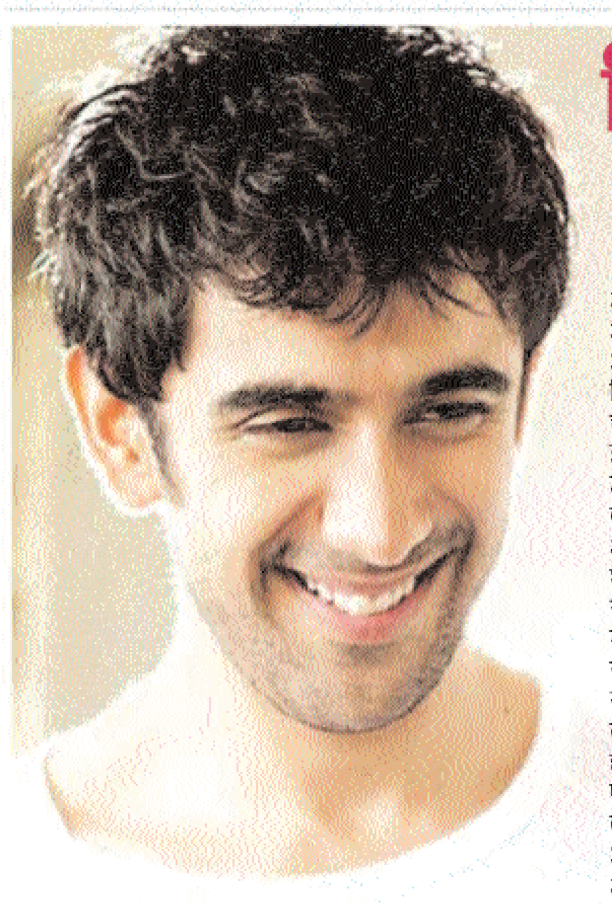

फिल्म न चलने पर ऑडियंस को दोष नहीं दे सकते

अमित साध इंडस्ट्री में जाना-माना नाम हैं। एक्टर अपने इंटेंस और एक्शन रोल के लिए जाने जाते हैं। अमित आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने कई जतन किए हैं। बहुत सारी चुनौतियों को झेला है। एक्टर का मानना है कि इंडस्ट्री हो या समाज इंसानियत पहले होनी चाहिए। उनकी कोशिश है कि वो अपने हिस्से की इंसानियत बराबर से निभा पाए।

अमित आप सुशांत सिंह राजपूत के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करते थे। क्या आउटसाइडर एक्टर को जनता सपोर्ट नहीं करती है?

मैं इस बारे में बहुत सोचता हूं। जनता ने ऑलरेडी सबको बहुत कुछ दे रखा है। तो हर चीज जनता पर नहीं डाल सकते। अगर आपके घर में आग लगी हो तो आग बुझाने की ड्यूटी सबसे पहले घरवालों की होती है। न कि पड़ोसी की। वैसे ही अगर कोई एक्टर परेशान है, अकेला है तो पहला रोल इंडस्ट्री का होना चाहिए। इंडस्ट्री एक फैमिली है। अगर अपने ही अपने काम नहीं आए तो हम कौन होते हैं ऑडियंस को दोष देने वाले। मुझे लगता है कि हमें एक-दूसरे का ज्यादा ख्याल रखने की जरूरत है। एक-दूसरे के प्रति इतना गुस्सा, रंजिश या उसे इंसान को रिजेक्ट करना देना नहीं होना चाहिए।

सुशांत ने या आपने बहुत अच्छी फिल्म बनाई है लेकिन ऑडियंस नहीं देखती। तो क्या जनता दोषी नहीं है?

ऐसे में मेरा मानना है कि अगर कोई फिल्म नहीं चली तो इसका दोष हम ऑडियंस पर नहीं डाल सकते। ऑडियंस बहुत बड़ा फैक्टर है लेकिन कई बार गणित सही नहीं बैठता है। पिक्चर अच्छी है या गंदी ये तय करने वाले भी हम कोई नहीं होते हैं। मान लीजिए, कोई फिल्म बनी, उसका एक वक्त था, उस फिल्म की किस्मत थी, उसमें वो फील था। दुनिया ने देखी और वो चल गई। अगली नहीं चली तो आगे बढ़ना चाहिए। कुछ और ट्राई करना चाहिए।

आपको नहीं लगता है कि ऑडियंस स्टार किड्स के बारे में जानने के लिए उत्सुक होती है? पैपराजी भी उन्हें ही फोकस करते हैं?

बिल्कुल नहीं। कोई ऑडियंस स्टार किड को जानने में उत्सुक नहीं होती। उनकी मार्केटिंग टीम आपको यकीन दिलाती है। जनता बहुत स्मार्ट है। जनता ये तय करती है कि उन्हें कौन सी फिल्म सिनेमा हॉल में देखनी है, कौन सी ओटीटी में और कौन सी पिक्चर नहीं देखनी है। जनता कंज्यूमर है और कंज्यूमर भगवान होता है। ऑडियंस नहीं होती तो इंडस्ट्री नहीं होती। ऑडियंस नहीं होती तो मेरे जैसा इंसान एक्टर नहीं बनता। मैं तो ऑडियंस से शिकायत ही नहीं कर सकता। उन्होंने तो मुझे सड़क से उठाकर यहां बिठा दिया है।

नेपोटिज्म पर आपकी क्या राय है?

मुझे तो लगता है कि हम सब नेपोटिज्म हैं। मेरी नजर में नेपोटिज्म कोई चीज आपको अपने मां-बाप से, कुदरत से, अपने आस-पास के माहौल से मिलना है। कुछ चीजों में आप आगे होते हैं। कुछ चीजों में कोई दूसरा बेहतर होता है। अगर मुझे कोई बोले 20 फीट से छलांग लगाने, मैं दो मिनट मैं कर दूंगा। अगर मुझे गन दोगे तो मैं सोल्जर बन जाऊंगा क्योंकि मैं हमेशा एक सोल्जर की तरह ट्रेन्ड हुआ हूं। ये मेरी नेपोटिज्म है। मार्केटिंग ने इस टर्म को गढ़ दिया है। सबको अपने हिस्से की खुशियां और स्ट्रगल मिलती है। चाहे आप सचिन तेंदुलकर के बेटे क्यों ना हो?

इस समय आपका एम्बिशन क्या है? ड्रीम रोल क्या है?

मेरे अंदर एम्बिशन नहीं काम को लेकर भूख है। ड्रीम रोल की बात करूं तो मुझे जो भी रोल मिलता है, उसमें अपना समर्पण देता हूं। उसे ही अपना ड्रीम रोल बना देता हूं। हालांकि, मैं फिल्मों में लॉयर की भूमिका निभाना चाहता हूं। मैं सुपरहीरो वाली फिल्म करना चाहता हूं। मैं कॉमेडी फिल्में करना चाहता हूं। ऑडियंस को एंटरटेनमेंट के साथ खुशी और रोमांच देना चाहता हूं।

फैंस का कोई मैसेज या तारीफ जो आपके दिल के करीब है और आप बताना चाहते हो?

जवाब- मेरे पास दो ऐसे किस्से हैं। 'काई पो चे' के वक्त मेरी एक फैंस मुझे मैसेज करके लड़ती थी कि आप इंटरव्यू में बोलते क्यों नहीं हैं? मैं भी उससे लड़ता और बताता था कि दूसरे एक्टर मुझे बोलने ही नहीं देते। तो वो कहती कि जब आपसे सवाल करते हैं, तब तो जवाब देना चाहिए। मैंने उससे बोला कि शायद मुझे बात करने नहीं आती, मैं कोशिश करूंगा। फिल्म 'सुल्तान' और 'ब्रीद' के बाद मैं थोड़ा बोलने लगा। इंटरव्यू में अपनी सोच बताने लगा। फिर उसका मैसेज आया कि अब मैं असली शेर को देख रही हूं।

अमित अपने आने वाली फिल्मों के बारे में बताइए?

'पुणे हाइवे' करके मेरी एक फिल्म आ रही है। ये राहुल दा कुन्हा की प्ले पर आधारित मर्डर मिस्ट्री है। मेरे लिए ये फिल्म 'काई पो चे' है। इसमें भी तीन दोस्त हैं। इस पूरी फिल्म की वाइब भी 'काई पो छे' वाली ही है। तीन दोस्तों की कहानी है। फिल्म में ड्राई ह्यूमर है। दोस्ती और दुविधा साथ-साथ चलती है। जल्द ही इस फिल्म का प्रमोशन शुरू होगा। मेरी एक और फिल्म आ रही है 'प्रताप'। इसमें एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की कहानी है। मैं अपनी दोनों फिल्मों को लेकर बहुत उत्साहित हूं।

सोनाटा पेश करते हैं नया वैडिंग कलेक्शन; 'ड्रीम टुगेदर' के साथ नई शुरूआत का जश्न

जयपुर टाइम्स

नेशनल, (एजेंसी)। शादी के साथ जीवन में एक नए अध्याय की शुरूआत होती है, जहां रिश्ते, मूल्य और महत्वाकांक्षाएं एक साथ मिलकर एक नए भविष्य का निर्माण करते हैं। आज के दौर में शादियां एक दूसरे की व्यक्तिगत पहचान को अपनाने का माध्यम बन गई हैं, जो आपसी सहयोग और मिल-जुलकर विकास को बढ़ावा देते हुए अटूट रिश्ता बनाती हैं। इस बदलते दौर में टाइटन की ओर से भारत के सबसे ज़्यादा बिकने वाले घड़ियों के ब्राण्ड सोनाटा लेकर आए हैं अपना नया वैडिंग कलेक्शन। 'ड्रीम टुगेदर' के विषय पर आधारित यह कलेक्शन वैडिंग घड़ियों के बेहतरीन गंतव्य के रूप में ब्राण्ड की स्थिति को और मजबूत बनाता है।

शादियों दो लोगों के मिलन से कहीं बढ़कर है; यह एक नए अध्याय की शुरूआत है, एक नई यात्रा जहां दो लोग एक साथ मिलकर सपना देखते हैं, नई महत्वाकांक्षाएं तय करते हैं और मिल-जुल कर जीवन के अनुभवों का अहसास करते हैं। 'ड्रीम टुगेदर' इसी दृष्टिकोण पर आधारित है, जो आज के विवाहित जोड़ों के लिए बहुत अधिक मायने रखता हैः यह परम्परा, आधुनिकता, प्रतिबद्धता और दृढ़ विश्वास का संयोजन है। यह सोनाटा को उन लोगों के लिए बेहतरीन साथी बनाता है, जो रिश्तों में अपनी पहचान बनाते हैं तथा आत्मविश्वास के साथ सजग रहते हुए एक साथ मिलकर भविष्य का निर्माण करते हैं।

वैडिंग कलेक्शन इसी भावना का प्रतीक है, यह उन युवा विवाहित जोड़ों के लिए बेहतरीन है जो अपने खास दिन पर अनूठी छाप छोड़ जाना चाहते हैं। आधुनिक डिज़ाइन एवं परम्परा पर आधारित इस कलेक्शन में पतले,, आकर्षक बेहतरीन डीटलिंग एवं बोल्ड एक्सेंट का संयोजन शामिल है। चमकदार और ग्लैमरस डिज़ाइन से युक्त सोनाटा का वैडिंग कलेक्शन एक आकर्षक एक्सेसरी या उपहार से कहीं बढ़कर है; यह पहनने वाले के व्यक्तित्व एवं महत्वाकांक्षाओं की अभिव्यक्ति है, जो आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। आप इसे पारम्परिकया आधुनिक परिधानों के साथ पहनना चाहते हैं, ये घड़ियां शादी के हर जश्न में आपको आकर्षण के साथ-साथ आत्मविश्वास भी देंगी।

इसके साथ ब्राण्ड नई पीढ़ी की उस भावना को दर्शाता है जो उत्साह, जोश एवं महत्वाकांक्षा के साथ अपने जीवन की नई शुरूआत करते हैं। उपहार या प्यार के प्रतीक के रूप में ये घड़ियां दूल्हे, दूल्हन, दूल्हन की सहेलियों और प्रियजनों के लिए पसंदीदा विकल्प बन जाएंगी जो अपने खास मौके पर सही मायनों में खास बना देना चाहते हैं।

लॉन्च के अवसर पर श्री प्रतीक गुप्ता, मार्केटिंग हैड, सोनाटा ने कहा, ''आज के महत्वाकांक्षी लोग प्रतिबद्धता को लेकर आशंकित रहते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे उनके व्यक्तिगत विकास में रूकावट आएगी।

हालांकि साझेदारियां बड़े सपनों का मार्ग प्रशस्त करती हैं, उन्हें सीमित नहीं करतीं। सोनाटा में हम समझते हैं कि शादी दो भविष्यों के मिलन का प्रतीक हैं। 'ड्रीम टुगेदर' के साथ हम व्यक्तिगत समय के बजाए साझा समय की बदलावकारी क्षमता पर रोशनी डालना चाहते हैं, दो व्यक्तियों के बीच आपसी तालमेल का जश्न मनाना चाहते हैं, जो एक साथ मिलकर एक दूसरे के लक्ष्यों को आगे बढ़ाते हैं।'

सोनाटा का वैडिंग कलेक्शन रु 2495 की शुरूआती कीमत पर टाइटन वर्ल्ड आउटलेट्स पर और ऑनलाईन www.sonatawatches.in पर उपलब्ध है। तो इस नई साझा यात्रा को स्टाइल के साथ अपनाएं और सोनाटा के साथ इसका जश्न मनाएं।

टीसीएस ने 'टीसीएस डिजिटल ट्विंडेक्स रिपोर्ट फॉर फ्यूचर-रेडी मैन्युफैक्चरिंग का अनावरण किया

जयपुर टाइम्स

हनोवर (नि.सं.)। आईटी सेवाओं, परामर्श और व्यावसायिक समाधानों में वैश्विक स्तर पर अग्रणी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) ने जर्मनी में दुनिया के अग्रणी औद्योगिक प्रौद्योगिकी व्यापार मेलों में से एक, हनोवर मेस 2025 में विनिर्माण उद्योग के लिए टीसीएस डिजिटल ट्विंडेक्स रिपोर्ट लॉन्च की है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे एआई-संचालित डिजिटल ट्विन्स विनिर्माण को बदल रहे हैं, दक्षता, अनुकूलनशीलता और लचीलापन बढ़ा रहे हैं।

टीसीएस के अध्यक्ष - मैन्युफैक्चरिंग, अनुपम सिंघल ने कहा, ÷ %टीसीएस डिजिटल ट्विंडेक्स रिपोर्ट फॉर फ्यूचर-रेडी मैन्युफैक्चरिंग% इंटेलिजेंट, भविष्य के लिए तैयार और अनुकूली उद्यमों के निर्माण के लिए हमारे दृष्टिकोण को प्रस्तुत करती है - उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता को नए सिरे से परिभाषित करना और दुनिया भर के नागरिकों और समुदायों के जीवन को समृद्ध बनाना।÷ जेएलआर में डिजिटल और इनोवेशन, इंडस्ट्रियल ऑपरेशन्स की निदेशक पॉलिना चिमेलर्ज़ ने कहा, ÷डिजिटल ट्विन्स हमारी एआई यात्रा में एक गेम-चेंजर हैं। वे बहुत सारे नए डेटा को अनलॉक करते हैं, इनसाइट्स की नई श्रेणियों को पेश करते हैं, और अन्वेषण और नवाचार के लिए पूरी तरह से नए परिदृश्य खोलते हैं। टीसीएस के अधिकारियों और फ्युचरिस्ट्स के साथ-साथ सीमेंस, श्नाइडर इलेक्ट्रिक, एनवीआईडीआईए और जेएलआर जैसे उद्योग के पायनियर और प्रौद्योगिकी नेताओं से इनसाइट्स प्राप्त करते हुए, यह रिपोर्ट डिजिटल ट्विन प्रौद्योगिकी अपनाने और एआई-संचालित एंटीसिपेटरी इकोसिस्टम के उदय का गहन दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।

बैंक ऑफ इंडिया पीएमएमवाई की पहुंच बढ़ाने और राष्ट्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के 10 वर्ष पूर्ण

जयपुर टाइम्स

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) भारत में एमएसएमई वित्तपोषण परिदृश्य को बदलने में सहायक रही है। योजना ने दिनांक 08 अप्रैल, 2025 को 10 वर्ष पूर्ण किया है। पिछले एक दशक में, पीएमएमवाई ने सूक्ष्म उद्यमों हेतु ऋण तक पहुँच के विषय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। योजना की स्तरीय संरचना - शिशु , किशोर और तरुण - ने बैंक को उद्यमियों के लिए किफायती, संपार्शि्वक-मुक्त ऋण संवितरित करने में सक्षम बनाया है। पीएमएमवाई ने सूक्ष्म उद्यम क्षेत्र में बैंक ऑफ इंडिया बैंक की पहुंच का काफी विस्तार किया है। योजना के पहले पांच वर्षों के दौरान, बैंक ऑफ इंडिया ने इस योजना के तहत 11,59,636 उधारकर्ताओं को कुल रु. 18,923 करोड़ की ऋण सुविधाएं संवितरित की हैं। 10 वर्षों की अवधि के दौरान संचयी संवितरण 43,65,580 उधारकर्ताओं को रु. 71,364 करोड़ है, अर्थात मात्रा के साथ-साथ मूल्य के संदर्भ में लगभग 300त्न की वृद्धि। इस योजना के तहत महिला उद्यमियों को प्राप्त होने वाली ऋण सुविधाएं 25त्न से अधिक है। 2024 के केंद्रीय बजट के दौरान घोषित तरुण प्लस श्रेणी के तहत ऋण सीमा को हाल ही में बढ़ाकर रु. 20 लाख कर दिया गया है, जिससे बैंक विकास क्षमता वाले थोड़े बड़े सूक्ष्म उद्यमों को सहयोग देने में सक्षम होगा। देश की अर्थव्यवस्था और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि में योगदान देने के अतिरिक्त, इस यात्रा ने उद्यमिता हेतु सक्षम बनाया है साथ ही नए रोजगार भी सृजित किए हैं।इन प्रयासों के माध्यम से, बैंक ऑफ इंडिया पीएमएमवाई की पहुंच बढ़ाने और इस तरह राष्ट्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

बीएचआईएम (BHIM) ने नए कैंपेन 'पैसों की कदर' के साथ खुद को 'भारत का अपना पेमेंट्स ऐप' के रूप में किया पेश

जयपुर टाइम्स

मुंबई, (एजेंसी)। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनपीसीआई बीएचआईएम सर्विसेज लिमिटेड (NBSL) द्वारा विकसित भारत के घरेलू भुगतान ऐप बीएचआईएम (BHIM) ने खुद को 'भारत का अपना पेमेंट ऐप' के रूप में स्थापित करने के लिए एक नया ब्रांड अभियान शुरू किया है। 'पैसों की कदर' नामक यह अभियान इस बात का जश्न मनाता है कि भुगतान के तरीके विकसित होने के बावजूद भारत का पैसे के साथ रिश्ता किस तरह भरोसे और परिचय पर आधारित है। इसके साथ, बीएचआईएम एक आधुनिक और समावेशी भुगतान ऐप के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करता है, जिसे पूरे भारत में लोगों की रोज़मर्रा की भुगतान ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

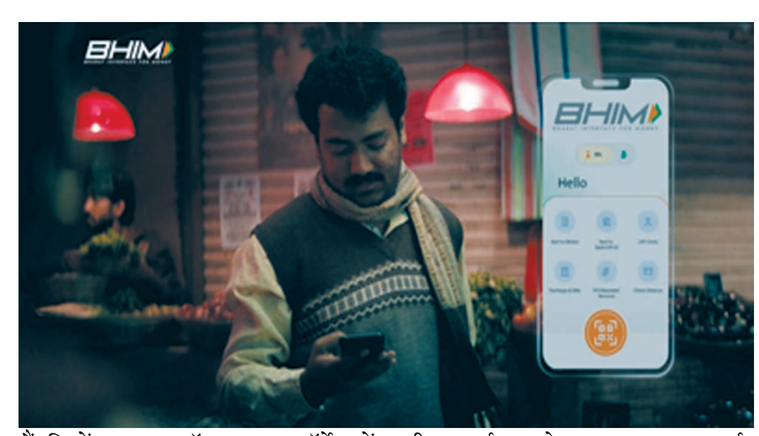

टिल्ट ब्रांड सॉल्यूशंस द्वारा परिकल्पित, इस अभियान में पाँच ब्रांड फ़िल्में शामिल हैं जिन्हें स्लाइस-ऑफ़-लाइफ़ फ़ॉर्मेट में प्रस्तुत किया गया है। ये फ़िल्में बीएचआईएम के ब्रांड वादे के मूल सिद्धांतों को उजागर करती हैं, जैसे कि भरोसा, सुरक्षा, ग्राहकों को सर्वोपरि रखने का विजन और वास्तव में समावेशी ऐप होना, साथ ही ऐप की उपयोगिता को प्रदर्शित करना। इन फिल्मों को 9 भारतीय भाषाओं में रिलीज़ किया जाएगा ताकि इनकी पहुँच अधिकतम हो सके और दर्शकों से गहराई से जुड़ाव हो।

Groceries 1इस कैंपेन के साथ बीएचआईएम ने अपना नया वर्जन BHIM 3.0 लॉन्च किया है, जो और अधिक सहज और उपयोगकर्ता के अनुकूल अनुभव प्रदान करता है। इसमें 15+ भारतीय भाषाओं के लिए समर्थन, कम इंटरनेट वाले क्षेत्रों में कार्यक्षमता, और स्प्लिट एक्सपेंस, फैमिली मोड, खर्च विश्लेषण और एक्शन नीडेड रिमाइंडर जैसे उन्नत धन प्रबंधन उपकरण जैसी प्रमुख विशेषताएं हैं। एनबीएसएल के चीफ बिजनेस ऑफिसर राहुल हांडा ने कहा- भारत में जब नई तकनीक अपनाने की बात आती है, खासकर पैसे से जुड़ी, तो भरोसे का बहुत महत्व होता है। जब हम भारत के अंदरूनी हिस्सों में जाते हैं, तो पाते हैं कि डिजिटल पेमेंट्स केवल सुविधा नहीं, बल्कि आत्मविश्वास का विषय भी है। BHIM 3.0 के साथ हमने ऐसा अनुभव तैयार किया है जो सरल, सुरक्षित और जाना-पहचाना लगे। 'पैसों की कदर' कैंपेन इसी भावना को जीवंत करता है ङ्क कि पैसे के लेनदेन के तरीके भले बदल गए हों, लेकिन इसके पीछे के मूल्य वही हैं। यही भीम को

भारत का अपना पेमेंट्स ऐप बनाता है। टिल्ट ब्रांड सॉल्यूशंस के ग्रुप चीफ क्रिएटिव ऑफिसर आदर्श अटल ने कहा- भारत में पैसा केवल लेनदेन का माध्यम नहीं है। यह हमारे विचारों, मूल्यों, प्राथमिकताओं और व्यक्तित्व को दर्शाता है। हम पैसे के साथ जैसा व्यवहार करते हैं, वह हमारे जीवनशैली का भी प्रतिबिंब होता है। 'पैसों की कदर' कैंपेन के ज़रिए हमने पैसों की अहमियत को केवल ट्रांजैक्शन से ऊपर उठाकर उसके पीछे की भावनाओं और कहानियों को दिखाने की कोशिश की है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने एचडीएफसी स्काई पर लॉन्च किया एडवांस्ड एफएंडओ डैशबोर्ड

जयपुर टाइम्स

मुंबई, (एजेंसी)। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने आज अपने डिस्काउंट ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म एचडीएफसी स्काई पर एक समग्र फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस डैशबोर्ड लॉन्च करने की घोषणा की। यह नया फीचर निवेशकों को उन्नत टूल्स और व्यावहारिक जानकारियों से सशक्त बनाने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है, जिससे वे डेरिवेटिव मार्केट में अधिक बेहतर निर्णय ले सकें। एफएंडओ डैशबोर्ड अत्याधुनिक एनालिटिक्स को वन-क्लिक एक्जीक्यूशन क्षमता के साथ जोड़ता है, जो नए और अनुभवी दोनों प्रकार के निवेशकों के लिए उपयुक्त है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एमडी और सीईओ धीरज रेली ने कहा, ÷एचडीएफसी सिक्योरिटीज में हमारा विज़न हमेशा से ही टेक्नोलॉजी-आधारित समाधानों के माध्यम से वित्तीय बाजारों को सबके लिए सुलभ बनाना रहा है। नया एफएंडओ डैशबोर्ड हमारे इस सफर में एक अहम पड़ाव है, जहां हम संस्थागत स्तर के टूल्स अब आम भारतीय निवेशकों को भी उपलब्ध करा रहे हैं। पहले ये टूल्स केवल पेशेवर निवेशकों तक सीमित थे। हमने एडवांस्ड एनालिटिक्स को एक सहज इंटरफेस के साथ मिलाकर निवेशकों को जटिल रणनीतियों को आत्मविश्वास से लागू करने में सक्षम बनाया है।

एफएंडओ डैशबोर्ड में कई शक्तिशाली टूल्स शामिल हैं, जैसे

स्मार्ट ऑप्शन चेन, जो ऑप्शन कॉन्ट्रैक्ट्स का विस्तृत विश्लेषण प्रदान करता है, जिसमें ओपन इंटरेस्ट बार, हाईएस्ट ओपन इंटरेस्ट, वॉल्यूम, और इम्प्लाइड वोलैटिलिटी जैसे एडवांस्ड फिल्टर्स और ग्रीक एनालिसिस शामिल हैं।

स्मार्ट फ्यूचर चेन, जो सभी उपलब्ध फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट्स का समेकित व्यू देती है, साथ ही बिल्डअप डेटा के साथ।

FII/DII एक्टिविटी ट्रैकर, जो कैश और डेरिवेटिव मार्केट में संस्थागत खरीद-बिक्री के रुझानों की जानकारी देता है।

ट्रेडर्स बास्केट ऑर्डर फीचर का उपयोग मल्टी-लेग रणनीतियों को एक क्लिक में लागू करने के लिए कर सकते हैं, जबकि क्विक ऑप्शंस बाजार की धारणा के आधार पर प्री-बिल्ट ट्रेड्स ऑफर करता है।

अन्य प्रमुख फीचर्स में शामिल हैं- हीटमैप के साथ ट्रेड, जो सेक्टर-वार मार्केट ब्रेड्थ को विजुअली प्रदर्शित करता है, मार्केट मूवर्स और स्कैनर्स, जो रियल-टाइम में सबसे सक्रिय स्टॉक फ्यूचर्स और ऑप्शंस को ट्रैक करते हैं, Forecast View और लेवल ऑप्शन स्ट्रैटेजी, जो यूज़र द्वारा परिभाषित व्यू या प्राइस लेवल्स के आधार पर तैयार की गई रणनीतियाँ प्रदान करता है और एक्सपर्ट सिफारिशें, जो निवेशकों को प्रोफेशनल एनालिस्ट्स की राय तक पहुंच देती हैं।

यह डैशबोर्ड निवेशकों को कई प्रमुख फायदे देता है, जिनमें शामिल हैं - बेहतर मार्केट एनालिसिस, समय की बचत करने वाला सिंगल-क्लिक मल्टी-लेग एक्जीक्यूशन, इंडाइसेज़, ऑप्शंस और फ्यूचर्स के व्यापक कवरेज, उन्नत फिल्टर्स और एनालिटिक्स के ज़रिए निवेश की सटीकता में सुधार और रियल-टाइम इनसाइट्स। यह लॉन्च एचडीएफसी सिक्योरिटीज की प्रोडक्ट, I/UX, इंजीनियरिंग और क्र मार्केटिंग और डिजिटल रेवेन्यू टीमों के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। इसमें गहन रिसर्च, डिज़ाइन इटरेशन और कठोर परीक्षण शामिल रहा ताकि यूज़र एक्सपीरियंस को सहज और उपयोगी बनाया जा सके।एचडीएफसी स्काई डिस्काउंट ब्रोकिंग स्पेस में लगातार नवाचार करता रहा है, और यह नया एफएंडओ डैशबोर्ड इसी दिशा में एक और उपलब्धि है जो निवेशकों को बेहतरीन टूल्स के ज़रिए वित्तीय बाजारों को समझने और फ़ायदा उठाने में मदद करता है। कंपनी भारत के बढ़ते निवेशक समुदाय की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए अपने डिजिटल ऑफरिंग्स को लगातार बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एलएनजे भीलवाड़ा ग्रुप ने ग्रामीण रूपान्तरण पहल के लिए दूसरे चरण की शुरूआत की

जयपुर टाइम्स

बांसवाड़ा(निस)। ग्रामीण रूपान्तरण पहल को समर्थन प्रदान करते हुए जाने-माने ओद्यौगिक सदन एलएनजे भीलवाड़ा ग्रुप जो टेक्सटाईल्स, ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड, विद्युत उत्पादन, ऊर्जा संग्रहण समाधानों एवं आधुनिक सामग्री सहित कई कारोबारों में सक्रिय है, ने किसानों के कल्याण के लिए ग्लोबल विकास ट्रस्ट की सफल परियोजना को सहयोग प्रदान करने हेतु अपने कार्यबल को प्रेरित करने के राजस्थान के दूसरे चरण के लिए बांसवाड़ा में शुरूआत की। इस अवसर पर रवि झुनझुनवाला, चेयरमैन, एलएनजे भीलवाड़ा ग्रुप, मयंक गांधी, संस्थापक ग्लोबल विकास ट्रस्ट और राजीव गुप्ता, जेएमडी, आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड तथा संगठन से अन्य प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। रवि झुनझुनवाला, चेयरमैन, एलएनजे भीलवाड़ा ग्रुप ने कहा ''ग्रामीण रूपान्तरण की दिशा में मयंक गांधी के प्रयासों ने कई लोगों को प्रेरित किया, जो इनोवेशन एवं आर्थिक सहयोग के द्वारा आकर्षक और स्थायी आजीविका प्रणाली के विकास हेतु जीवीटी की मदद के लिए आगे आ रहे हैं।'' मयंक गांधी, संस्थापक, ग्लोबल विकास ट्रस्ट ने कहा, ''हमारा उद्देश्य किसानों को गरिमा एवं आत्मनिर्भरता का जीवन जीने के लिए सशक्त बनाना तथा समाज में खेती के प्रति सोच में बदलाव लाना है।''रवि झुनझुनवाला ने व्यक्तिगत रूप से बांसवाड़ा में आरएसडब्ल्यूएम के मोरडी और लोढा प्लांट्स में इस पहल का नेतृत्व किया है और 3000 से अधिक कर्मचारियों को इस योगदान के लिए प्रेरित किया है। गौरतलब है कि मोरडी में एलएनजे निट्स और एलएनजे डेनिम युनिट्स तथा लोढा में कपास और ग्रे यार्न युनिट्स सक्रिय हैं।

स्पाइस मनी ने मार्च 2025 में ग्राहक जीटीवी 11,485 करोड़ पार किया, कायम की विकास की एक नई मिसाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत की अग्रणी ग्रामीण फिनटेक कंपनी और सबसे बड़े गैर-बैंक बिज़नेस करेस्पॉन्डेंट (BC) नेटवर्क स्पाइस मनी (DiGiSPICE Technologies की सहायक कंपनी) ने मार्च 2025 में कई सेवाओं में अब तक की सबसे ऊंची विकास दर दर्ज की। यह प्रदर्शन कंपनी की इस क्षेत्र में मजबूत स्थिति को दर्शाता है और भारत के दूरदराज के क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के इसके मिशन को और मजबूत करता है।

कांधरान का सद्भाव, समरसता व पर्यावरण के प्रति प्रेम प्रेरणादायी : मदन दिलावर

राजगढ़ ब्लॉक के कांधरान गांव में किया विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। शिक्षा (विद्यालयी/ संस्कृत) विभाग व पंचायती राज विभाग मंत्री मदन दिलावर ने बुधवार को जिले के राजगढ़ ब्लॉक के कांधरान गांव में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण समारोह में शिरकत की। इस दौरान पद्मभूषण देवेंद्र झाझड़िया, पूर्व विधायक नंदलाल पूनिया, सुमित्रा पूनिया, प्रधान विनोद देवी, कालरी सरपंच प्रमिला पूनिया, ओम सारस्वत, सुरेंद्र स्वामी सहित जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। कांधरान पहुंचने पर सीईओ श्वेता कोचर, सीडीईओ गोविंद सिंह राठौड़, डीईओ प्रारंभिक संतोष महर्षि और ग्रामीणों ने मंत्री दिलावर का स्वागत किया। मुख्य कार्यक्रम में मुंशीराम फोगाट, अर्जुनराम नीमड़, धर्मेंद्र, करण सिंह, कमला जांगिड़, प्रसन्ना राव, सुमन, प्रियंका, मुकेश व मंजू मेघवाल सहित अन्य ने अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया। इस अवसर पर मंत्री दिलावर ने कहा कि कांधरान का सद्भाव, समरसता व पर्यावरण के प्रति प्रेम संपूर्ण राजस्थान के लिए प्रेरणादायी है। यहां के लोगों के सामाजिक व धार्मिक कार्यों में भागीदारी और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए गए प्रयास सराहनीय है। पूरे गांव की ओर से एकजुट होकर मातृभूमि की सेवा व मानवता के अस्तित्व को बचाने के लिए लिया गया संकल्प एक बहुत बड़ी पहल है। इसी प्रकार से आशा है कि कांधरान गांव देश का सिरमौर गांव बनेगा। उन्होंने कहा कि मानवता के अस्तित्व के लिए प्रकृति व पर्यावरण प्राथमिक आवश्यकता है। कांधरान के लोगों ने मानवता को बचाने का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि यहां के सुपोषित भूमि अभियान से धरती की उर्वरकता में वृद्धि होगी। दिलावर ने कहा कि ग्राम पंचायत में एक लाख रुपए की राशि से बर्तन प्रदान किए जाएंगे, जिनका उपयोग विभिन्न धार्मिक, सामाजिक व सार्वजनिक कार्यों में किया जा सकेगा। मंत्री दिलावर ने गांव के विकास के लिए एक करोड़ रुपए की राशि की स्वीकृति की घोषणा की, जिसे जिला परिषद व पंचायत समिति के माध्यम से क्रियान्वयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक करोड़ रुपए की विकास योजना के लिए श्री बालाजी ग्राम विकास समिति व ग्राम पंचायत मिलकर रूपरेखा निर्धारित करेगी। उन्होंने इस दौरान भामाशाह की सहयोग से विद्यालय के छात्र दीपक को 10 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि एवं राहुल को 5 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि, खिलाड़ी संदीप स्वामी को एक लाख रुपए प्रोत्साहन राशि प्रदान किए जाने की भी घोषणा की। इस मौके पर पद्म भूषण देवेंद्र झाझड़िया ने संबोधित करते हुए कहा कि पूरे गांव ने प्रकृति प्रेम, सद्भाव एवं समरसता का परिचय दिया है। यहां के लोगों ने गांव को बचाने के लिए अपने घर छोटे कर लिए, यह हम सभी के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि हम राष्ट्र को आगे ले जाने के लिए किए जाने वाले प्रत्येक प्रयासों में सकारात्मक भागीदारी निभाएं और भारत को एक सुदृढ़ अर्थव्यवस्था के साथ विकसित भारत बनाने का संकल्प पूरा करें। मुंशीलाल फोगाट ने आभार जताया। इस अवसर पर मंत्री मदन दिलावर ने कांधरान में नवनिर्मित पक्के जोहड़ शिव सरोवर का लोकार्पण किया तथा विद्यालय में भामाशाहों के सहयोग से निर्मित मुख्य द्वार व 09 कक्षा कक्षों का उद्घाटन किया। इस मौके पर मंत्री मदन दिलावर व पद्मभूषण देवेंद्र झाझड़िया ने ग्राम दर्शन किए और बालाजी मंदिर में दर्शन व पूजा अर्चना कर देश - प्रदेश में खुशहाली की कामना की। मुख्य कार्यक्रम में मंत्री दिलावर ने हवन में आहुति दी और मंगलकामनाएं की। इसी के साथ उद्घाटन के बाद स्मार्ट बोर्ड पर मंत्री दिलावर ने हस्ताक्षर कर शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि विद्यालय में मुख्यमंत्री जनसहभागिता विद्यालय विकास योजनांतर्गत 08 अतिरिक्त कक्षा कक्षों व एक प्रधानाचार्य कक्ष का निर्माण करवाया गया है। गांव कांधरान में श्रीबालाजी ग्राम विकास समिति की प्रेरणा से ट्रैक्टर मालिकों ने शिव सरोवर का निर्माण किया है, वहीं भामाशाहों ने विद्यालय विकास का कार्य करवाया है। अतिथियों ने भूमि सुपोषण अभियान का विमोचन किया। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी तथा ग्राम विकास पर बनी डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DN SUJANGARH

No :- 47-63 Date :- 08.04.2025

Notice Inviting Bid No 01 /2025-26

Bids for 9 (Nine Nos) work are invited from interested bidders upto 12.00 PM dated 11.04.2025 Other Particulars of the Bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http:// sppp. raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website th. The approximate value of the procurement is Rs. 44.91 Lacs

NIB No :- PWD2526A0071

10.PWD2526WSOB00179
11.PWD2526WSOB00180
12.PWD2526WSOB00181
13.PWD2526WSOB00182
14.PWD2526WSOB00183
15.PWD2526WSOB00184
16.PWD2526WSOB00185
17.PWD2526WSOB00186
18.PWD2526WSOB00187

Executive Engiener
PWD Dn. Sujangarh

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4

न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायालय क्रसं. 10, स्थान सांगानेर, जयपुर विजय सिंह राजपूत विरुद्ध रीना कवंर वाद / प्रार्थना पत्र धारा 13 HMA प्रार्थना-पत्र संख्या 3.39/24 सन सनाम रीना कवर पुत्री पत्नि विजय सिंह राजपूत जाति राजपूत पता विलेज राजपूताना, पोस्ट हाजिपुर तह-बांसूर हाजिपुर अलवर (राज.) 301402 उक्त प्रार्थि ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि नकल सलग्न है अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 15 माह 4 सन 2025 को 07:30 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज ता. 01 माह 4 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

न्यायालय

बाबा रामदेव जी मंदिर में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.) शहर के पास गांव राणासर में गुरुवार को प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की गई बाबा रामदेव मंदिर के मुख्य द्वार पर बाबा रामदेव सहित अन्य मूर्तियां स्थापित की गई विजेंद्र महल ने जानकारी देते हुए बताया कि भामाशाह ज्ञानाराम साहू द्वारा मूर्तियां वह प्रवेश द्वार का निर्माण करवाया गया इस अवसर पर प्रभुराम राम दहिया अध्यक्ष सेवा समिति बाबा रामदेव मन्दिर ज्ञानाराम सोऊ नानूराम रुलानिया पूसा राम थोरी पूसा राम राठी जिला अध्यक्ष हिंदू युवा वाहिनी विजेंद्र मुहाल सरपंच रसाल मनमोहन दहिया नारायण सोऊ सोहन दहिया भागूराम दहिया गणेश दहिया भागूराम सोहू पेमाराम राम मुहाल सोहन मुहाल हरदेवराम बल्डवाल ज्ञानाराम बल्डवाल सहित सैकड़ो ग्रामवासी उपस्थित रहे।

महावीर जयंती पर विशाल शोभायात्रा का आयोजन

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। सकल जैन समाज द्वारा भगवान महावीर की जयंती पर विशाल शोभायात्रा निकाली गई जो कस्बे के प्रमुख मार्गों से होती हुई दिगंबर जैन बड़े मंदिर पर पहुंची।जहां भगवान का शांति धारा अभिषेक का कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। शोभायात्रा में तपोदय पाठशाला के बालक- बालिकाओं द्वारा नृत्य और बैंड की प्रस्तुति आकर्षण केंद्र रही। शोभायात्रा में आर्यिका चंदनमती माताजी भी साथ थी।जगह-जगह महिला मंडल द्वारा जैन धार्मिक भजनों पर नृत्य की प्रस्तुति दी गई।दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र का रथ भी शामिल हुआ जिसमें भगवान को विराजमान किया गया।लोगों ने जगह-जगह स्वागत किया। शोभायात्रा से पूर्व प्रातः 5 बजे कस्बे में प्रभात फेरी निकाली गई।

जनजाति क्षेत्र में पेसा एक्ट लागू करने का आश्वासन

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर द्वारा राजस्थान में पेसा एक्ट लागू करने का भरोसा दिलाया गया। यह जानकारी राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद् जिला बैठक में जिला सह मंत्री हितेंद्रसिंह ने साझा करते हुए बताया कि जयपुर में कल्याण आश्रम व राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद् के प्रतिनिधि मंडल को यह बात राजस्थान के पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने चर्चा के दौरान कही। ज्ञातव्य हैं कि अखिल भारतीय कल्याण आश्रम व राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद् जो जनजाति हितों के लिए देश भर में काम करते हैं नियमित रूप से जनजाति क्षेत्र में पेसा एक्ट को प्रभावी तरीके से लागू करने पर जोर दे रहे हैं। इस संदर्भ में एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री से भी मिल चुका हैं। इसी क्रम में प्रतिनिधिमंडल ने पंचायती राज मंत्री दिलावर से मुलाकात की। दिलावर के अनुसार जनजाति क्षेत्र को सुदृढ़ करने में यह एक्ट बहुत ही प्रभावी होगा। राज्य सरकार की पूरी मंशा है कि इस एक्ट को जल्द से जल्द प्रभावी तरीके से संपूर्ण जनजाति क्षेत्र में लागू करें ।प्रतिनिधि मंडल में अखिल भारतीय कल्याण आश्रम के कार्यकारी सदस्य गिरीश कुबेर, कल्याण आश्रम के हित रक्षा प्रमुख संजय कुलकर्णी, कल्याण आश्रम के उत्तर पश्चिम क्षेत्र के हितरक्षा प्रमुख विमल भाई, परिषद के अध्यक्ष टीसी डामोर एवं परिषद के संगठन मंत्री जगदीश कुलमी रहे।

भजनों में खेतलाजी की महिमाओं का बखान, मंदिर शिखर पर ध्वजा चढ़ाई प्रसादी भी हुई

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निसं.)। समीपवर्ती कोलीवाड़ा गांव में सियाणा खेतलाजी का दो दिवसीय वार्षिक मेला मुख्य अतिथि पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व प्रधान हरिशंकर मेवाड़ा एवं सियाणा खेतलाजी भक्तराज धनाराम भाटी के सान्निध्य में भरा गया। खेतलाजी महाराज की विधि विधान से पूजा-अर्चना कर गाजे-बाजे के साथ मंदिर शिखर पर ध्वजा चढ़ाई गई। कोलीवाड़ा गांव में खेतलाजी महाराज की शोभायात्रा निकाली गई। जहां पर विभिन्न समाज द्वारा शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा की गई। तत्पश्चात खेतलाजी महाराज को महाप्रसादी का भोग लगाकर भक्तों में प्रसादी वितरित की गई। इससे पूर्व संध्या पर एक शाम सियाणा खेतलाजी के नाम भजन संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें गायक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक खेतलाजी के भजनों की प्रस्तुतियां दी। भजन संध्या की शुरुआत गणपति व गुरु वंदना से हुई। उसके बाद भजन कलाकारों ने खेतलाजी घुंघरिया घमकावें..., पधारो मारे आंगने... आवनो पड़ेला खेतल आवनो पड़ेला रातरी सभा में थाने आवनो पड़ेला.. सियाणा खेतल बाबा रमता आवो.. आदि भजनों की प्रस्तुतियां दी। मेले में पूर्व प्रधान हरिशंकर मेवाड़ा, मेलडी माता उपासक दीपिका भुआ सहित अन्य अतिथियों का बहुमान किया गया। पूर्व प्रधान मेवाड़ा ने सियाणा खेतलाजी के दरबार में शीश नवाकर क्षेत्र में खुशहाली की कामना की। पूर्व प्रधान मेवाड़ा ने मेले को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से सनातन धर्म को मजबुती मिलती हैं, लोगों में धर्म के प्रति आस्था व जुड़ाव बढ़ता हैं। उपासक धनराज भाटी ने बताया कि विधि विधान से सियाणा खेतलाजी की पूजा अर्चना कर चूरमे का भोग लगाया व मंदिर शिखर पर ध्वजा भी चड़ाई। इस मौके पर बाहर से पधारे अतिथियों, खेतलाजी के उपासको व गायक कलाकारों का भी स्वागत किया गया।

बाल वाटिका कक्षाओं के लिए प्लेसमेंट एजेंसी से लगे सहयोगी स्टाफ को हटाने से बच्चों व अभिभावकों को परेशानी

सुमेरपुर(निसं.) जिले के महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विधालय जिसमें में पुर्व प्राथमिक कक्षाएं, बाल वाटिका नर्सरी, एलकेजी,युकेजी संचालित है। उन विधालयो में शिक्षा विभाग ने बाल वाटिका कक्षाओं के छोटे बच्चों की देखभाल व अन्य व्यवस्था के लिए सहयोगी स्टाफ के रूप में एक चतुर्थश्रेणी कर्मचारी एवं सफाई व्यवस्था के लिए एक सफाईकर्मी निविदा प्रक्रिया से प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से लगाए गए थे जबकि 1 मार्च में प्लेसमेंट एजेंसी की कार्य अवधि पुरी होने से उन दोनों कार्मिकों को हटा दिया गया है। जबकि स्कूलों में अभी गर्मी की छुट्टीयां नहीं हुई है।तब तक छोटे छोटे बच्चों की देखभाल व सफाई के लिए कोई कार्मिक नहीं होने से छोटे बच्चों व अभिभावकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। अब विभाग की ओर से जिले में नई निविदाएं कब होगी।यह स्पष्ट नहीं, शिक्षा विभाग प्लेसमेंट एजेंसी के मार्फत दोनों कार्मिकों को 7-8 महिने के लिए ही नियुक्त करवाता है। अगस्त-सितंबर में निविदाएं होती है जिसकी अवधि 31 मार्च तक रहती है मार्च के बाद 5 महिनो के लिए यह कार्मिक बेरोजगार हो जाते हैं। जबकि वर्तमान में जिले के ज्यादातर महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विधालयो में चतुर्थश्रेणी कर्मचारी नहीं है इसलिए यह दोनों बाल वाटिका के कर्मचारी ही सम्पूर्ण विधालय भवन की देखरेख, सफाई, पौधौ को पानी पिलाना आदि जिम्मेदारी संभालते हैं गर्मी की छुट्टीयां में भी विधालय की देखभाल , विधालय सहित फर्नीचर की साफ-सफाई, पौधा को पानी देना आदि इनका काम रहता है

बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट से खेतों में गेहूं की पराली में लगी आग

सुमेरपुर(निसं.)। साण्डेराव स्थानीय नगर के सरकारी अस्पताल से बस स्टैंड की तरफ आने वाले मुख्य मार्ग में एक खेत में लगे बिजली के ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट होने से खेतों में गेहूं की पराली में आग लग गई । आग से करीब 8-9 खेतों की बाड जलकर राख हो गई,और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया।आग आसपास के खेतों में फैल गई तथा आग की लपेट आबादी क्षेत्र तक पहुंच गई।

कार्यालय ग्राम पंचायत कातर छोटी,
पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

क्रमांक -G.P. KATAR CHHOTI /2025-26/E-TENDER/01-07 दिनांक- 08-04-2020

ई-निविदा सूचना संख्या 61/2025-26

ग्राम पंचायत कातर छोटी में वर्ष 2025-26 के लिये महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज की योजनाओं के लिये निर्माण सामग्री ₹ य हेतु ई-निविदायें आंमत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित अन्य विवरण तथा समस्त निविदा शर्ते www.eproc.rajasthan.gov.in पर ब www.sppp.rajasthan.gov.in पर NIBNo.- . देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

UBNNo. - ZCR2526GLOBools4.

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कातर छोटी
पंचायत समिति बीदासर(चूरू)

प्रशासक
ग्राम पंचायत कातर छोटी
पंचायत समिति बीदासर(चूरू)

कार्यालय ग्राम पंचायत कल्याणसर,
पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

क्रमांक - G. P. KALYANSAR / 2025-26 / E-TENDER/05-12 दिनांक- 07/04/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 01/ 2025-26

ग्राम पंचायत कल्याणसर में वर्ष 2025-26 के लिये महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज की योजनाओं के लिये निर्माण सामग्री ₹ य हेतु ई-निविदायें आंमत्रित की जाती है । निविदा से संबंधित अन्य विवरण तथा समस्त निविदा शर्ते www.eproc.rajasthan.gov.in पर व www.sppp.rajasthan.gov.in पर NIBNo.- ZCR2526A0026. तथा UBN No. -ZCR 2526 SLOB 00042.... देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कल्याणसर
पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

प्रशासक
ग्राम पंचायत कल्याणसर
पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

कार्यालय ग्राम पंचायत बैरासर
पंचायत समिति बीदासर

क्रमांक -G.P.BAIRASAR/2025-26 / E-TENDER / 01-07 दिनांक- 04.05.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

ग्राम पंचायत बैरासर में वर्ष 2025-26 के लिये महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज की योजनाओं के लिये निर्माण सामग्री क्रय हेतु इच्छुक विनिर्दिष्ट पंजीकृत बोलीदाता / संवेदक जो कि वस्तु एवं सेवा कर (जी.एस.टी.), आयकर अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत है, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार ई-निविदायें आंमत्रित की जाती है।

क.सं.	ग्राम पंचायत का नाम	अनुमानित लागत रू	धरोहर राशि रू	निविदा शुल्क एवं प्रोसेसिंग (रूपये)	ऑनलाइन निविदा विक्रय / डाउनलोड / अपलोड करने की तिथि व समय	प्रोसेसिंग शुल्क, निविदा शुल्क व धरोहर राशि जमा कराने की तिथि व समय	ऑनलाइन निविदा खोलने की तिथि व समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	बैरासर	5000000	100000	1000+1000	दिनांक 05.04.2025 सांय 06.00 बजे से दिनांक 15.04.2025 को दोपहर 12.00 PM बजे	दिनांक 15.04.2025 समय 2.00 PM तक	दिनांक 15.04.2025स मय 04.00 PM

निविदा से संबंधित अन्य विवरण तथा समस्त निविदा शर्ते www.eproc.rajasthan.gov.in www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बैरासर
पंचायत समिति बीदासर(चूरू)

प्रशासक
ग्राम पंचायत बैरासर
पंचायत समिति बीदासर(चूरू)

कार्यालय ग्राम पंचायत लालगढ़,
पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

क्रमांक –G.P. LALGARH / 2025-26 / E-TENDER / 01-07 दिनांक-07-04-2025

ई-निविदा सूचना संख्या 01 / 2025-26

ग्राम पंचायत लालगढ़ में वर्ष 2025-26 के लिये महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज की योजनाओं के लिये निर्माण सामग्री क्रय हेतु ई-निविदायें आंमत्रित की जाती है । निविदा से संबंधित अन्य विवरण तथा समस्त निविदा शर्ते www.eproc.rajasthan.gov.in पर व www.sppp. rajasthan.gov.in पर NIBNo.- ZCR2526 A0045 तथा UBN No. ZCR 2526 WSOB 00130 देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत लालगढ़
समिति बीदासर (चुरू)

प्रशासक
ग्राम पंचायत लालगढ़
समिति बीदासर (चुरू)

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शुक्रवार
11 अप्रेल, 2025

नेचर पार्कों का नाम चूरू की महान विभूतियों के नाम पर करने की मांग, कलेक्टर को ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला मुख्यालय स्थित चार नेचर पार्कों का नामकरण चूरू की महान विभूतियों के ऊपर रखने की मांग को लेकर मरू मंगल संस्थान के पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष सतीश शास्त्री के नेतृत्व में जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा को ज्ञापन दिया। ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि शहर में चार नेचर पार्क बनाये गये हैं। जिनका नामकरण चूरू शहर की महान विभूतियां स्वामी गोपालदास, स्वामी शिवानंद सरस्वती, सेठ जयदयाल गोयनका व गीतकार भरत व्यास के नाम पर रखा जाये। उन्होंने बताया कि इन विभूतियों ने चूरू में अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि के माध्यम से देश विदेश में चूरू का नाम रोशन किया है। यहां जनता के लिए मार्गदर्शक के रूप में जन कल्याणकारी काम किए हैं। ज्ञात रहे कि स्वामी गोपाल दास ने स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी महती भूमिका अदा की। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में सर्वहितकारिणी बालिका शिक्षा क्षेत्र में अनेक विद्यालयों की स्थापना की। इस तरह से स्वामी शिवानंद सरस्वती ने भारतीय वैदिक गुरुकुल की स्थापना की। जिसमें विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा देकर देश-विदेश में भारत की लुप्त हो रही प्राचीन संस्कृति के प्रचार प्रसार को आगे बढ़ाया तथा आयुर्वेदिक चिकित्सा की ओर से लाखों आमजन को लाभ पहुंचाया है। सेठ जयदयाल गोयनका ने आध्यात्मिक क्षेत्र में विष्व की सबसे बड़ी गीता प्रेस गोरखपुर की स्थापना की, जिसमें इस संस्था के शताब्दी वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नमन किया। इसके अलावा चूरू सहित देश के विभिन्न शहरों में स्थापित संस्थाएं निरंतर कार्यरत है। इसी क्रम में भारत की महान विभूति जिन्होंने संगीत के क्षेत्र में चूरू का नाम रौशन कर यहां पर जन्मे गीतकार भरत व्यास के नाम को आज भला कौन नहीं जानता। इन्होंने 120 से अधिक हिंदी सिनेमा में गीत लिख कर अपनी अनूठी पहचान बनाई। ऐ मालिक तेरे बंदे हम आज भी पाठशाला में गाया जा रहा है। अध्यक्ष ने बताया कि उपरोक्त विवरण से ज्ञात होता है कि चूरू की पावन धरा पर विलक्षण विभूतियों ने अपने कृतित्व व व्यक्तित्व से चूरू का देश विदेश में नाम रौशन किया है। उन्होंने मांग कि है कि निर्माणाधीन चारों नेचर पार्कों का नामकरण इन विभूतियों के नाम पर किया जाना चाहिए। जिससे उनका सम्मान होगा, बल्कि उनकी सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी। ज्ञापन देने वालों जुगल किशोर क्याल, हरिमोहन दाधीच, विनोद जांगिड़, शिवकुमार शर्मा, संजय, सुरेंद्र, मनीष, अंकित शर्मा, विनीत चोटिया आदि मौजूद रहे।

पुलिया से नीचे गिरा बजरी से भरा डंपर, चालक गंभीर घायल

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। मंडावा-फतेहपुर मार्ग पर गुरुवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। नवनिर्मित पुलिया के पास एक बजरी से भरा डंपर अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे गिर गया। हादसे में डंपर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसको तुरंत मंडावा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डंपर अंडरपास से पहले अचानक अनियंत्रित हो गया और डिवाइडर को तोड़ते हुए पुलिया से नीचे सड़क पर जा गिरा। डंपर के गिरने से आसपास जोरदार आवाज हुई और अफरा-तफरी मच गई। हादसे में चालक रामसिंह, निवासी करनीसर (बीकानेर) गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के समय भाजपा नेता संजय परिहार अपने साथी सुनील देवड़ा, जितेंद्र मील और नवीन कुमावत के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकले हुए थे। वे लोग उसी सड़क पर थोड़े आगे पैदल चल रहे थे जिस पर डंपर गिरा।संयोगवश वे बाल-बाल बच गए।हादसा होते ही ये सभी लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल चालक को बाहर निकाल कर अपनी गाड़ी से मंडावा अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। डंपर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है और सड़क पर बजरी फैल जाने से कुछ देर के लिए यातायात भी बाधित रहा। हादसा चालक को नींद की झपकी आना माना जा रहा है।

समाजसेवी डॉ. मेघसिंह दुलड़ को श्रद्धांजलि दी

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। मुकुंदगढ़ मार्ग स्थित सरस्वती सदन में समाजसेवी व पूर्व सीएमएचओ डॉक्टर मेघसिंह दुलड़ की 12 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। उपस्थित जनों ने समाजसेवी व पूर्व सीएमएचओ मेघसिंह दुलड़ की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर एवं 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पर्यटन व्यवसायी किशोर थलिया ने कहा कि डॉक्टर दुलड़ ने समाज सेवा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में अपना विशेष योगदान दिया था और सुख दुख में हर व्यक्ति के साथ निस्वार्थ भाव से खड़े रहते थे। राजपूत युवा महासभा के जिला अध्यक्ष दिलीप सिंह वाहिदपुरा ने कहा कि चिकित्सा व समाज सेवा के क्षेत्र में मेघ सिंह दुलड़ के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता उन्होंने निस्वार्थ भावना से आमजन की सेवा की है और आज भी उनके परिवारजन समाज सेवा करते हुए उनके कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। इस दौरान कमला दुलड़, पर्यटन व्यवसायी किशोर थलिया, अजय दुलड़, अरुण दुलड़, दिलीप सिंह वाहिदपूरा, उर्मिला दुलड़, सुनीता दुलड़, तमन्ना, अशोक सैनी, अशोक यादव, विक्रम दुलड़, पत्रकार सूर्य प्रकाश लाहौरा, जितेंद्र सिंह शेखावत उपस्थित रहे।

श्रीराम सेवा समिति की बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। खालासी मार्ग स्थित हेरिटेज सिटी में स्थापित श्रीराम मन्दिर में गुरुवार को श्रीराम सेवा समिति की बैठक हुई। जिसमें रामनवमी के सफल कार्यक्रम पर सभी भक्तों व श्रद्धालुओं के प्रति आभार जताया गया और भविष्य में भी इस तरह सभी ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों में अपनी भागीदार निभाते हुए सहयोग करने पर बल दिया गया। बैठकमें आय -व्यय का लेखा -जोखा भी प्रस्तुत किया गया व समिति के विस्तार पर चर्चा हुई और अनेक सदस्यों को समिति में शामिल किया गया। बैठक में गणेश सैनी, मनोज कुमार भार्गव, देवेंद्र जांगिड़, विजेंद्र सैनी, विकास कुमावत, सूर्यप्रकाश लाहौरा, मुकेश डाबडी, गोविंद जोशी, गोपाल केडिया, अनुराग वर्मा,राहुल सैनी, योगेश सैनी, सौरभ कुमार सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे। आरम्भ में प्रभु श्रीराम की पूजा अर्चना व आरती हुई।

उप जिला प्रमुख को जिला प्रमुख का चार्ज देने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। पथिक सेना संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महावीर पोसवाल ने सरकार से मांग की है कि भरतपुर में उप जिला प्रमुख का चार्ज दिया जावे, क्योंकि तत्कालीन जिला प्रमुख को विधायक बने हुए 18 माह से ज्यादा का समय बीत गया है और अब तक जिला प्रमुख का पद खाली है। पोसवाल ने बताया कि चितौड़गढ़ और भरतपुर जिला प्रमुख एक साथ विधायक बने थे, जिस पर चितौड़गढ़ में जिला प्रमुख का चार्ज उप जिला प्रमुख को दे दिया गया है, जबकि भरतपुर में दोहरे नियम को अपनाकर उप जिला प्रमुख को जिला प्रमुख का चार्ज नहीं दिया जा रहा है, जिसके कारण जिले भर में विकास कार्य रूके हुए हैं। अतः भरतपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यो को को पटरी पर लाने के लिए उप जिला प्रमुख को जिला प्रमुख का चार्ज दिया जाए।

प्रभात फेरी निकाली, महावीर जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। भगवान महावीर स्वामी की जयंती के अवसर पर जैन समुदाय की ओर से श्रद्धा और उत्साह के साथ विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गुरुवार को जैन दादाबाड़ी स्थित श्वेतांबर जैन मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया था और वातावरण भक्तिमय बना रहा। सुबह प्रभात फेरी का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। फेरी श्वेतांबर जैन मंदिर से प्रारंभ होकर कपड़ा बाजार, छावनी बाजार, स्टेशन रोड सहित मुख्य मार्गों से होती हुई पुनः मंदिर परिसर में पहुंची। मार्ग में श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाए और भगवान महावीर के उपदेशों को गाकर जनमानस को शांति, अहिंसा और सादगी का संदेश दिया। मंदिर पहुंचने के बाद सनातन पूजा का आयोजन किया गया, जिसमें विशेष मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठान किए गए। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर की प्रतिमा पर जलाभिषेक, पुष्प अर्पण और आरती की। मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए विशेष प्रसाद की भी व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर समाज के सभी वर्गों ने एक साथ मिलकर पर्व की गरिमा को और बढ़ाया। श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर की सादगी, सत्य, अहिंसा और प्रेम से परिपूर्ण जीवन शैली को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

समरसता का संदेश

कार्यक्रम में मौजूद वक्ताओं ने कहा कि भगवान महावीर के सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उस समय थे। उनके संदेश आज के तनावपूर्ण वातावरण में शांति और सह-अस्तित्व की प्रेरणा देते हैं।

गाजेबाजे के साथ निकाली भगवान महावीर की निकाली शोभायात्रा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। अहिंसा धर्म के प्रणेता भगवान महावीर के 2624 वें जन्म कल्याणक महामहोत्सव के उपलक्ष्य में स्थानीय श्री दिगम्बर जैन समाज की ओर से भगवान की रथ यात्रा निकाली गई। सर्वप्रथम जियो और जीने दो के उद्घोष के साथ प्रभात फेरी निकाली गई। इसके पश्चात भगवान महावीर के कालशाभिषेक, शांति धारा करने का सौभाग्य प्रतापमल, सरोज कुमार छाबड़ा परिवार को मिला। भारतवर्ष में अपनी विशेष पहचान रखने वाले रथ में भगवान की शोभा यात्रा श्री दिगम्बर जैन मंदिर से निकाली गई जो नगर के मुख्य मार्गो से होकर मंदिर पहुंची। मंत्री पारसमल बगड़ा ने बताया कि रथ में भगवान को विराजमान करने का सौभाग्य भंवरलाल मक्खनलाल किशोर कुमार सेठी परिवार को व दांया चंवर डुलाने का जयचन्दलाल छाबड़ा परिवार को, बायां चंवर डुलाने का महावीर प्रसाद प्रदीप कुमार अमित कुमार सुमित कुमार पांड्या परिवार को मिला। इसी प्रकार भगवान के रोकड़िया बनने का नेमीचंद पारसमल सरोज कुमार सुरेश कुमार नरेश कुमार पांड्या परिवार को व भगवान के सारथी बनने का सौभाग्य रतनलाल सुरेंद्र कुमार बगड़ा डिब्रूगढ़ प्रवासी व समवशरण में विराजमान भगवान के कलश करने का सौभाग्य नेमीचंद पारसमल रौनक बगड़ा परिवार को मिला। शोभा यात्रा में जैन समाज की महिलाएं पुरुष भगवान महावीर के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। सर्वसमाज की ओर से जगह जगह रथ यात्रा पर पुष्पवर्षा की गई। रथ यात्रा में दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष सुनील जैन सडूवाला, रौनक पांड्या, महावीर प्रसाद पाटनी, विमल कुमार पाटनी, डॉक्टर सरोज कुमार छाबड़ा, सुरेंद्र कुमार बगड़ा, किशोर पांड्या, विनीत बगड़ा, सरोज कुमार पाटनी, मनीष बगड़ा, अंकित पांड्या, पारसमल सेठी, हेमंत सोगानी, वीरेंद्र पाटनी, नवीन बगड़ा, शैलेन्द्र गंगवाल, आनंदीलाल गंगवाल, सुशील पहाड़िया, जितेंद्र पांड्या, अशोक छाबड़ा, विमल सेठी, मैना देवी पाटनी, प्रेमलता सडूवाला, नेहा छाबड़ा, रानी जैन सहित काफी संख्या में जैन समाज के लोग उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय परिंडा लगाओ, पक्षी बचाओ अभियान का शुभारम्भ

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला मुख्यालय पर उस्मानाबाद कॉलोनी स्थित नव ज्ञान ज्योति सी. सै. स्कूल में इंसानियत एकता सेवा समिति की ओर से परिंडे लगाए गये। तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारम्भ समिति सदस्य अरशद खान एलटी के नेतृत्व में परिंडे लगाकर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वसीम अली ने बताया कि पक्षियों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था करना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि हमीद खान रिसालदार ने कहा कि हम अपने आसपास के पेड़ों और अपने घरों की छतों पर परिंडे लगाकर पक्षियों के लिए समूचित दाने-पानी की व्यवस्था करें। समिति संस्थापक एम. करामत खान ने बताया कि अभियान के तहत अगले तीन दिनों में जिले के सभी शहरों सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 350 परिंडे लगाकर पक्षियों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था की जाएगी। खान ने बताया कि जिन स्थानों पर परिंडे लगाए जाएंगे, इसकी सार-संभाल की सम्पूर्ण जिम्मेदारी समिति के कार्यकर्ताओं की होगी। कार्यक्रम में समिति के वरिष्ठ सदस्य अयूब खान, नौशाद खान, जाफर खान, सुलेमान मनिहार, महबूब खान, जाकिर खान, सलमान खान, रेहान खान, जावेद खान, बिलाल खान, असलम खान, शाहरुख खान आसलसर, जाफर खान पिथीसर, अनीस खान बंटी, फरियाद खान नसवाण, मोहम्मद मुजाहिद रामगढ़ आदि ने सहयोगी भूमिका निभाई। मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विश्व होम्योपैथी दिवस पर डॉ. हैनिमन की जयंती मनाई

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। शेखावाटी होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन के तत्वावधान में राजीव मार्केट स्थित श्रद्धा होम्यो. एण्ड योगा सेन्टर में होम्योपैथी के जनक डॉ. हैनिमन की 270वीं जयन्ती व विश्व होम्योपैथी दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष व अन्तर्राष्ट्रीय वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. अमरसिंह शेखावत की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम का शुभारम्भ होम्योपैथ्स ने डॉ. हैनिमन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में बिसाऊ के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. उदयवीर शर्मा की ओर से रचित डॉ. हैनिमैन वंदना प्रस्तुत की गई। समारोह में एसोसिएशन के सचिव डॉ. बी.के. शर्मा ने बताया कि होम्योपैथी के जन्मदाता डॉ. सैम्युअल हैनीमेन का जन्म जर्मनी के सेक्सोनी मेशन में गरीब कुम्भकार के घर में 10 अप्रैल 1755 में हुआ। गरीबी से संघर्ष करते हुए होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति का आविष्कार कर उन्हानें दुनिया को एक नई राह दिखाई। आज दुनिया के करीब 185 देशों में होम्योपैथी को सरकारी मान्यता मिली हुई है। शेखावाटी में होम्योपैथी के पुरोधा डॉ. अमरसिंह शेखावत ने बताया कि हिन्दुस्तान में होम्योपैथी का शानदार प्रचार-प्रसार होते हुए सबसे ज्यादा इस चिकित्सा पद्धति से पीड़ित मानव की सेवा की जा रही है। इस अवसर पर डॉ. शेखावत ने बताया कि होम्योपैथिक चिकित्सा कारगर, सुलभ व बिना साइड इफैक्ट के स्थायी इलाज की पद्धति है। इसका भारत और विदेशों में तीव्र गति से विकास हो रहा है। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ. बी.एल. गौड. ने सभी का आभार जताया। इस दौरान डॉ. भोमेन्द्र शर्मा, डॉ. बनवारी लाल गौड़, डॉ. पवन कुमार शर्मा, डॉ. सुबृतो मुखर्जी, डॉ. भुवनेश सैन, डॉ. कौशल, डॉ. डी. दास, डॉ. राकेश, डॉ. हर्षवर्द्धन, डॉ. आर.के. शर्मा, जयप्रकाश सीकरिया, शिशुपाल शर्मा, पवन ठठेरा, विजयकुमार गोस्वामी, रवि सारस्वत आदि ने डॉ. हैनिमन को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सड़क हादसे में दो घायल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के निकटवर्ती गांव गनोड़ा व सारोठिया के बीच मोटरसाइकिल एक्सीडेंट में दो युवक घायल हो गए। जिनको टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकर, एम्बुलेंस चालक भागीरथ ने 108 की सहायता से सुजानगढ़ अस्पताल लाकर इमरजेंसी वार्ड मे भर्ती कराकर इलाज शुरू कराया। घायल युवक रामदेव मेघवाल (26), निवासी गनोडा और अशोक नायक (23) उम्र 23 वर्ष निवासी लुहारा है जो कि लुहारा साइड से गनोड़ा आ रहे थे।

ज्योतिष के विषय पर की चर्चा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। मशहूर भजन गायक प्रकाश माली के साथ ज्योतिषाचार्य सुरेंद्र नामदेव ने मुलाकात की है। प्रकाश माली और सुरेंद्र नामदेव के बीच काफी देर तक ज्योतिष और समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई। प्रकाश माली ने बताया कि अंक गणित के अनुसार ज्योतिष का काफी बड़ा सांख्य दर्शन हमारे सामने आता है और इस प्रकार की गणना में नामदेव काफी माहिर नजर आते हैं। ज्योतिषाचार्य सुरेंद्र नामदेव ने बताया कि ज्योतिष के जरिए भी हम लोग अपने जीवन को सही दिशा दे सकते हैं।

पोक्सो का आरोपी गिरफ्तार

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय कोतवाली पुलिस ने पोक्सो के आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसपी जय यादव ने बताया कि 6 अप्रेल को इस सम्बंध में प्रकरण दर्ज हुआ था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एएसपी दिनेश कुमार, डीएसपी दरजाराम के सुपरविजन में सीआई बैगाराम मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। आरोपी ओमप्रकाश उर्फ प्रकाश निवासी सुजानगढ़ को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने अवैध धारदार चाकू के साथ युवक को किया गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

रतनगढ(निस)। पुलिस ने गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर धारदार अवैध चाकू के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। एएसआई रामनिवास मीणा ने बताया कि गस्त के दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि मेगा हाइवे पर गांव गोगासर के पास स्तिथ चौधरी धर्मकांटा के पास एक व्यक्ति अवैध धारदार चाकू लिए खड़ा है। किसी वारदात को अंजाम दे सकता है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच कर आरोपी गांव कांगड़ निवासी बीरबलराम बावरी पुत्र शीशपाल बावरी के कज्बे से अवैध धारदार चाकू जब्त कर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। मामले में अनुसंधान किया जा रहा है।

फटकारो मोरछड़ी कार्यक्रम को लेकर बाजारों में जनसंपर्क, बांटे निमंत्रण कार्ड

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। श्रीश्याम अखंड ज्योत पाठ समिति चूरू की ओर से रविवार को होने वाले श्याम अखंड ज्योत पाठ के 11वें भव्य उत्सव को लेकर गुरुवार को समिति के पदाधिकारियों ने घरों व दुकानों में जाकर कार्यक्रम में आने का निमंत्रण पत्र दिया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि श्रीश्याम अखंड ज्योत पाठ समिति चूरू की ओर से स्थानीय नागवानों के नोहरे में होने वाले फटकारो मोरछड़ी कार्यक्रम रविवार को आयोजित किया जायेगा। दो दिवसीय आयोजन के तहत 12 अप्रैल को शाम चार बजे श्याम बाबा को नगर भ्रमण करवाया जाएगा, जो सफेद घंटाघर के पास स्थित भारतीय स्टेट बैंक के पास वाली गली से भ्रमण के लिए रवाना होगा। नगर भ्रमण में निशान यात्रा सभी के आकर्षण का केन्द्र होगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रेस क्लब सोसायटी के शिविर में 65 युनिट रक्तदान

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के राजकीय उपजिला अस्पताल में गुरुवार को प्रेस क्लब सोसायटी की ओर से दिवंगत पत्रकारों व भामाशाह मूलचंद मालू की स्मृति में विशाल रक्तदान शिविर लगाया गया। प्रेस क्लब सोसायटी के प्रथम रक्तदान शिविर के आयोजन को लेकर अनेक संगठनों व राजकीय अस्पताल के स्टाफ की ओर से सराहनीय कार्य के लिए प्रशंसा की गई। रक्तदान का शिविर का शुभारंभ सेवानिवृत्ति न्यायाधीश श्याम सुंदर लाटा, राजकीय अस्पताल प्रभारी डॉ चंद्रभान जांगिड़, थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई, समाजसेवी जयचंद शर्मा, प्रेस क्लब के अध्यक्ष हनुमानमल वर्मा आदि ने फीता काटकर शुभारंभ किया। प्रेस क्लब सोसायटी के प्रथम रक्तदान शिविर के आयोजन को लेकर एकता मंच के अध्यक्ष जितेंद्र राजवी ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होता है। प्रेस क्लब सोसायटी की ओर से दिवंगत पत्रकारों व भामाशाह मूलचंद मालू की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन कर एक अच्छा व सराहनीय कार्य किया हैं। क्षेत्र के भामाशाह मूलचंद मालू की ओर से क्षेत्र में अनेक धर्मार्थ कार्य किए हैं। जिसको लेकर प्रेस क्लब सोसायटी की ओर से उनकी पुण्यतिथि पर व दिवंगत पत्रकारों की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन एक अच्छा संदेश देने वाला कार्य किया है। जिसके लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर के आयोजन को लेकर प्रेस क्लब सोसायटी के पत्रकार साथियों में उत्साह देखा गया। अस्पताल के प्रभारी डॉ चंदन मोठसरा, डॉ कमलेश भारतीय, 108 एंबुलेंस के ईएमटी संजय खीचड़ व जितेंद्र आदि ने भी अपने रक्त का दान किया। चूरू के भरतीया अस्पताल की टीम में डॉ गोपाल ढाका के नेतृत्व टीम ने रक्त संग्रहण में सहयोग कर रक्त संग्रहण किया। रक्तदान शिविर के शुभारंभ से लेकर दोपहर 3 बजे तक 110 रक्तदाताओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया। जिसमें 65 रक्तदाताओं ने अपने रक्त का दान कर मानवता का धर्म निभाया। इस अवसर पर प्रेस क्लब सोसायटी के अध्यक्ष हनुमानमल वर्मा, उपाध्यक्ष रमेश गौड़, सचिव मुरलीधर बोचिवाल, कोषाध्यक्ष कमल कुमार पारीक, संगठन मंत्री मुन्नालाल राव, हनुमान सोनी, सुरेश लाटा, दीनदयाल लाटा, मनीष पांडिया, रुस्तम खान, जाकिर कालिया, ताराचंद शर्मा, चैन रूप वर्मा, मनोज राव आदि ने शिविर में सहयोग देने वाली संस्थानों व शिविर के सफल आयोजन को लेकर आभार व्यक्त किया और शिविर में रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर उनका सम्मान किया गया। रक्तदान शिविर में समाजसेवी रामलाल मिश्र, सीबीईओ अशोक पारीक, एसीबीईओ बाबुलाल शर्मा, डॉ पूनमचंद भाटी, गणेशदास स्वामी, पार्षद दीपक बैद, राजकुमार तिवारी, अनिल गोयल, धर्मेन्द्र कुरिल, संपतराम जागिड़, बाबुलाल प्रजापत, सुरेश गौड़, फुसाराम स्वामी सहित अनेक संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजलदेसर प्रिमियम लीग आईपीएल 2 का आगाज, केसरी इलेक्ट्रॉनिक्स ने जीता उदघाटन मैच

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में आईपीएल की तर्ज पर राजलदेसर प्रिमियम लीग सीजन 2 का आगाज गुरुवार को युवा भारती स्टेडियम में किया गया। आयोजन समिति के लालचन्द पाण्डे ने बताया कि आईपीएल की तर्ज पर राजलदेसर प्रिमियम लीग पिछले वर्ष शुरू किया था। इस बार राजलदेसर प्रिमियम लीग सिजन 2 का आगाज युवा भारती स्टेडियम में किया गया जिसका उद्घाटन समारोह में प्रकाश भार्गव ओबीसी मोर्चा नगर अध्यक्ष, भाजपा मण्डल अध्यक्ष विष्णु प्रजापत, पालिका उपाध्यक्ष चन्द प्रकाश घिटाला ने किया। इस आयोजन में बारह रेसपोन्सर ने अपनी टीम भेजी है। 12 ओवर के मैच होंगे। लीग के पांच मैचों में तीन मैच जीतना अनिवार्य है। उसके बाद क्वाटर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल में प्रवेश होगा। करीब दस दिन तक यह आयोजन चलेगा। उद्घाटन मैच टीम केसरी व केसरी इलेक्ट्रॉनिक के मध्य खेला गया जिसमें टीम केसरी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। केसरी इलेक्ट्रॉनिक ने निर्धारित 12 में सात विकेट 189 रन बनाए। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम केसरी 12 वे ओवर की अन्तिम गेंद पर 167 रन पर आल आउट हो गई। इस तरह केसरी इलेक्ट्रॉनिक ने 23 रन से जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच हरिश झेण्डू रहे। स्टेडियम में काफी क्रिकेट प्रेमी दर्शक दीर्घा में मौजूद रहे जिन्होंने रोमांचक मैच देखा।

तीस दिवसीय योग एक्यूप्रेशर शिविर का समापन

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। सिरसा धर्मशाला के पास पदमपुर भंडारा व धर्मशाला मे चल रहे 30 दिवसीय निशुल्क योग एक्युप्रेशर चिकित्सा शिविर का समापन गुरूवार को हुआ। योग चिकित्सक डॉ. सोमानी ने बताया कि लाहोटी इंडिया फाउंडेशन कोलकाता के सहयोग से हनुमान सेवा समिति सालासर की देखरेख मे चल रहे शिविर मे करीब 650 रोगियों का उपचार किया जा चुका है। हनुमान सेवा समिति कार्यालय में हनुमान सेवा समिति अध्यक्ष सत्यप्रकाश पुजारी, पूर्व उपाध्यक्ष मनोज पुजारी, जीतमल शर्मा, भगवानाराम शर्मा, दिनेश ने डॉ. सोमानी को बालाजी महाराज की तस्वीर भेंट कर सम्मान किया।

दो दिवसीय धार्मिक आयोजन आज से

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। स्थानीय कस्बे में श्री अंजनी माता महावीर हनुमान मन्दिर का छठा वार्षिकोत्सव पर दो द्विवसीय धार्मिक आयोजन 11 अप्रेल से शुरू होगा। बाबा भक्त गुरूजी हनुमान पारीक त्यागी के आर्शीवाद से गुरू माता विमलादेवी के सानिध्य में होगा। पुजारी परिवार और तुलसीराम पाण्डे ने बताया कि 11 अप्रेल को रात्री में विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा जिसमें अजय सिंह एण्ड पार्टी बीकानेर की ओर से बाबा के मीठे-मीठे भजनों की प्रस्तुति देंगे। 12 अप्रैल सुबह आठ बजे ज्योत होगी और सवा नो बजे से सुन्दरकाण्ड पाठ तुलसीराम पाण्डे की ओर से किया जाएगा। उसके बाद महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा जिसमें देश के अनेक राज्यों से भक्त पधारेगे। सभी कार्यक्रम मन्दिर प्रांगण में आयोजित होंगे।जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

मालू के नेत्रदान से दो नेत्रहीन लोगों की जिंदगी में आएगी रोशनी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। बीकानेर जिले के श्रीडूंगरगढ़ निवासी सन्तोष कुमार मालू पुत्र थानमल मालू उम्र 48 वर्ष के निधन होने पर उनके भाई लूनकरन मालू एवं मुकेश मालू की सहमति देने पर नेत्र संग्रह केन्द्र के तकनीशियन भंवरलाल प्रजापत ने नेत्र संग्रह किया। नेत्रदान के लिए श्रीडूंगरगढ़ की तेरापंथ युवक परिषद व सरदारशहर तेरापंथ युवक परिषद ने परिजनों को प्रेरित किया। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान चूरू मुख्यालय गांधी विद्या मंदिर सरदारशहर स्थित नेत्र संग्रह केन्द्र के समन्वयक गणेशदास स्वामी ने बताया कि केंद्र शुरू होने के बाद यह पांचवां नेत्रदान है। इससे दो नेत्रहीन इस दूनियां को देख सकेंगे। सन्तोष कुमार मालू के नेत्रदान किए जाने पर उनके परिजनों का गांधी विद्या मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु दूगड़, आयुर्वेद विश्व भारती महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रविन्द्र कुमार व तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष लोकेश सेठिया ने आभार व्यक्त किया है।

2624वां भगवान महावीर जन्म कल्याणक दिवस का आयोजन

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। स्थानीय तेरापंथ भवन में विराजित युग प्रधान आचार्यश्री महाश्रमण की विदुषी सुशिष्या शासनश्री साध्वी मानकुमारी ठाणा के पावन सान्निध्य में 2624 वां भगवान महावीर जन्म कल्याणक दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वी वृंद की ओर से'महावीर अष्टम' से हुआ तत्पश्चात शासनश्री साध्वी मानकुमारी ने श्रावक समाज को संबोधित करते हुए भगवान महावीर के जीवन की सारगर्भित प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा महावीर ने अहिंसा, अपरिग्रह व अनेकांत के सिद्धांत दिए। अहिंसा प्राणीमात्र को अपने समान समझने की प्रेरणा देता है तो अपरिग्रह उपभोक्तावादी संस्कृति में संग्रह न करने की बात करता है तो अनेकांत सह अस्तित्व बताते हुए समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। महावीर की वाणी को जीवन में अपनाकर व्यक्ति अपना आत्म कल्याण कर सकता है। इस अवसर पर ज्ञानशाला के बच्चों ने 'हमारा भी अस्तित्व है' की सुंदर प्रस्तुति दी। किशोर मंडल व कन्या मंडल ने 'कैसे सम्यक्त्व का दीप जले' नयसार की सरस प्रस्तुति पेश की। साध्वीश्री कीर्तिरेखा, साध्वीश्री कमलयशा, साध्वीश्री चैत्यप्रभा, ने गीत व वक्तव्य से भगवान महावीर के जीवन पर प्रकाश डाला। तेरापंथ महिला मंडल, ते.यु.प. अध्यक्ष मुकेश श्रीमाल, प्रेमरत्न पांडे ने भी गीत व विचार रखें। भानुप्रिया दुगड़ ने उपस्थित परिषद में प्रश्न पूछकर के कार्यक्रम को रोचक बना दिया। आभार ज्ञापन तेरापंथ सभा के मंत्री कमल दुगड़ ने किया। सभी बच्चों को उत्साहवर्धन करने के लिए सभा अध्यक्ष राजकुमार विनायक, देवकीनन्दन तोदी की ओर से सभी प्रतियोगी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का कुशल संयोजन साध्वीश्री इन्दुयशा ने किया। प्रातः काल अहिंसा रैली तेरापंथ भवन से शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए तेरापंथ भवन पहुंची। रैली का मुख्य आकर्षण भगवान महावीर की जीवन झांकी था। रैली में तेरापंथ सभा, युवक परिषद, महिला मंडल, कन्या मंडल, किशोर मंडल, ज्ञानशाला के ज्ञानार्थी व मंजूला सराफ आदर्श विद्या मंदिर के अध्यापक व विधार्थी उत्साह के साथ संभागी बने। कार्यक्रम सम्पन्न होने के पश्चात अल्प आहार की व्यवस्था रखी गई। अल्प आहार व्यवस्था के प्रायोजक गुलाबदेवी बच्छावत व झाबरमल, विक्रम, धीरज दुगड़ रहे।

शिक्षक नेता कॉमरेड भगत सिंह का निधन, मरणोपरांत किया देहदान

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। जिले के जैतपुरा, राजगढ़ निवासी शिक्षक नेता कॉमरेड भगत सिंह पूनियां का निधन हो गया। शिक्षकों, कर्मचारियों और गरीब वर्ग के हितों के लिए जीवन भर संघर्ष करने वाले कॉमरेड की अंतिम इच्छा के अनुसार उनकी देह को आयुर्वेद विश्व भारती सरदारशहर में शोध कार्य के लिए दान कर दिया गया। कॉमरेड ने न केवल जीवन भर शिक्षण कार्य और न्याय के लिए संघर्ष किया, बल्कि मृत्यु के बाद भी देहदान कर एक महान उदाहरण प्रस्तुत किया हैं। उनकी पार्थिव देह को आयुर्वेद विश्व भारती के डॉ रविंद्र चौधरी और उनकी टीम को सौंपा गया। इस अवसर पर सभी ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देकर कॉमरेड भगत सिंह अमर रहे और कॉमरेड भगत सिंह को लाल सलाम के नारे लगाए गए। श्रीनाथ बरोड़, रणवीर सारण, डॉ धर्मचंद स्वामी, किसान सभा के भगवाना राम जाखड़, शिक्षक संघ शेखावत के प्रदेश सभाध्यक्ष याकूब खान, जिलाध्यक्ष विजय पोटलिया, श्रीनाथ बरोड़, रणवीर सारण, रतनलाल पांडिया, गौरीशंकर सिहाग, सुरेंद्र झोरड़, अमरचंद सांडेला, डॉ दलीप चौधरी, दौलतराम सारण, रूपाराम मूंडवाल, अशोक पूनियां, रेखाराम सांडेला, कॉमरेड छगनलाल चौधरी, डेयरी चेयरमैन लालचंद मूंड, डॉ धर्मचंद स्वामी, जाट महासभा के भागीरथ सारण, कामरेड रामकिशन छींपा, हनुमान सिंह बरोड़, काशीराम सारण, जयदेव सिंह पूनियां, मानाराम पोटलिया समेत अन्य समाज के प्रतिनिधियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कथा स्थल का एसपी जय यादव व एडीएम मंगलाराम ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जयपुर टाइम्स

रतनगढ(निस)। शहर में सरदारशहर बाई पास रोड के पास स्तिथ नंदीशाला में शुक्रवार 11 अप्रेल से शुरू हो रही शिव महापुराण कथा के कथा स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए गत दिवस जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने व्यवस्थाओं अवलोकन करते हुए प्रशासन व आयोजनकर्ता को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं गुरुवार दोपहर जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव, एडीएम सुजानगढ़, मंगलाराम पुनिया, एडिशनल एसपी सुजानगढ़ दिनेश कुमार कथा स्थल पहुंचे। व्यास पीठ से कथा का वाचन अंतराष्ट्रीय कथा वाचक प्रदीप मिश्रा करेंगे। बताया जा रहा है कि कथा में प्रतिदिन 1 लाख से ज्यादा श्रद्धालु आने की संभावना है। जबकि कथा स्थल पर एक लाख लोगों की व्यवस्था नही है। वहां एक वाटर प्रूफ टेंट डोम लगाया गया है जिसमे अधिकतम 20 से 25 हजार लोग बैठ सकते है। लेकिन डोम का फाउंडेशन नही भरा गया है। मिटी में सरिए लगाकर डोम लगा दिया गया है। इसी के पास में इतना ही बड़ा नॉर्मल टेंट लगाया गया है जो तेज आंधी में उड़ सकता है ओर बारिश में भी बचाव नही है। ऐसे कथा के दौरान अगर तेज आंधी या बारिश आने पर वहाँ भगदड़ मचने की सम्भावनाए बन सकती है। इसके अलावा बुधवार को जिला कलेक्टर के आदेश के बावजूद भी अभी तक कथा स्थल में भोजन, पानी, पार्किंग, पंखे, कूलर, शोचालय की समुचित व्यवस्थाए नही हो सकी है। जबकि बाहर से आने वाले श्रदालु आज से ही वहाँ आने शुरू हो गए है। जिनकी व्यवस्था नही होने से वो जमीन पर बिना कूलर के लेटे हुए है। इसके अलावा बाहर से आने वालों श्रदालुओं को को कथा स्थल तक छोड़ने का टैम्पो वाले मनमाना किराया वसूल रहे है। जिनकी ओटो से झड़प होते भी वहाँ देखा गया है। कथा स्थल पर समुचित व्यवस्थाये नहीं होने पर जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव व एडीएम मंगलाराम पुनिया 10 मिनिट में कथा स्थल से चले गए और मीडिया प्रतिनिधियों को को इस सम्बंध में बाईट देने से भी मना कर दिया। इसके अलावा जनचर्चा के अनुसार सात दिनों तक चलने वाली कथा के लिए आयोजकों की ओर से प्रति व्यक्ति से एक लाख 11 हजार रुपये लेकर 49 यजमान बनाए गए है। और वीआईपी दीर्घा में बैठाने के लिए 5 हजार से 20 हजार की लिए जा रही है। उसके बाद मीडिया कर्मियों ने समुचित व्यवस्था नही होने पर आयोजनकर्ता से बाईट लेनी चाही। लेकिन उसने भी मीडिया से दूरी बना ली।

राणासर गांव के पास दो ट्रकों की भिड़ंत में चालक और खलासी घायल

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के रतनगढ़ रोड मेगा हाईवे पर राणासर गांव के पास दो ट्रैकों की आमने-सामने जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसे में एक ट्रक के चालक और खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए। यहां से गुजर रहे लोगों ने हादसे की सूचना तुरंत 108 एंबुलेंस को दी। मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस के चालक सुभाष सिहाग और इएमटी संजय खीचड़ ने दोनो घायलों को 108 एंबुलेंस की सहायता से राजकीय अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को हायर सेंटर बीकानेर रैफर कर दिया। जानकारी के अनुसार ट्रक चालक कांगड़ निवासी 35 वर्षीय राकेश और ट्रक का खलासी बिसरासर निवासी 25 वर्षीय पवन ट्रक में सामान भरकर रतनगढ़ की ओर जा रहे थे। तभी राणासर गांव के पास सामने से आ रहे एक ट्रक से जबरदस्त टक्कर हो गई और हादसे में राकेश और पवन गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों वाहनों को सड़क किनारे करवाकर यातायात को सुचारू करवाया है। पुलिस का कहना है की रिपोर्ट प्राप्त होने पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं डॉक्टरों के अनुसार दोनों गंभीर घायलों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है।

फायरिंग की सूचना बनी पहेली

सुजानगढ़(नि.सं.)। अशोक स्तंभ के पास अलसुबह कथित फायरिंग की सूचना दिनभर लोगों के लिए पहेली बनी रही। पुलिस ने भी इस मामले में मौका मुआयना किया। लेकिन पुलिस को भी कोई पुख्ता जानकारी इस बारे में नहीं मिली। इस बारे में कोतवाली सीआई बैगाराम मीणा से जानकारी करने पर उन्होंने बताया कि हम लोगों को अपुष्ट सूचना मिली, जिस पर मौका मुआयना मय जाप्ते के किया गया। लेकिन मौके पर होटल वालों ने बताया कि जो व्यक्ति आए हुए थे, वो चैक आउट कर गए। घटना को लेकर कोई भी पीड़ित का परिवाद, प्रार्थना पत्र किसी प्रकार की जानकारी पुलिस को किसी ने नहीं दिया है। जिस पर इस घटना को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

श्रीं छः न्याति ब्राह्मण महासंघ का शपथग्रहण व स्नेह मिलन समारोह

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में श्रीं छः न्याति ब्राह्मण महासंघ की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं स्नेह मिलन समारोह गुरूवार को लोकरंजन परिषद् के सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में परम पूज्य श्री योगी निवृत्ति नाथ जी महाराज प्रणवाश्रम गनेड़ी धाम, अनंत श्री विभूषित दंडी स्वामी श्री जोगेंद्र आश्रमजी महाराज, ऋषिकेश श्री रोशन नाथ जी महाराज सारनाथ मंदिर फतेहपुर शेखावाटी, श्री पाराशर नारायण शर्मा प्रदेशाध्यक्ष श्री छः न्याति ब्राह्मण महासंघ बीकानेर, भंवरलाल व्यास संरक्षक, ओंकारमल पारीक महामंत्री, कोषाध्यक्ष जयदयाल पंचारिया, पंडित केशरीचन्द भंवरलाल शर्मा राजस्थान ब्राह्मण महासभा, महेश कुमार बावलिया जिलाध्यक्ष, महामंत्री गुरूदास भारती, बाबूलाल पारीक राष्ट्रीय अध्यक्ष आल इंडिया पारीक महासभा, सालासर मंदिर से हंसराज पुजारी, सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक नरेंद्र शर्मा, आल इंडिया पारीक महासभा के यूथ चेयरपर्सन लवजीत पारीक, राजस्थान गौड़ ब्राह्मण महासभा के प्रदेशाध्यक्ष विजय कुमार हरितवाल, राजस्थान ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष पूनम चन्द पारीक, समाजसेवी बंशीधर बोहरा, संरक्षक राजीव व्यास, गौड़ ब्राह्मण समाज से मंत्री श्याम गिल, गुजर गौड़ महासभा से दुनीचद जोशी, दाधीच सेवा ट्रस्ट से सुरेन्द्र दाधीच, सारस्वत समाज से मंगतु राम सारस्वत, खाण्डल विप्र समाज मंत्री रामनिवास नवहाल, ऋषिकुल से मुरलीधर गौड़, पारीक मंडल ट्रस्ट से शम्भू दयाल पांडिया, कार्यक्रम में श्रीं छः न्याति ब्राह्मण महासंघ के अध्यक्ष शम्भू दयाल पांडिया, महामंत्री अभिषेक पारीक, कोषाध्यक्ष जीवन शर्मा सहित 31 कार्यकारिणी सदस्यों को व 35 संरक्षक मंडल के सदस्यों को समाज हित में निष्ठा और समर्पण भाव से काम करने की शपथ दिलाई। संस्था के प्रदेश अध्यक्ष पाराशर नारायण शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज की ताकत उसकी वैचारिक शक्ति और बौद्धिक संपदा है। किसी भी व्यक्ति में बोलने के लिए वाणी और चुप रहने के लिए विवेक चाहिए। ब्राह्मणों में यह जन्मजात होते हैं। ब्राह्मण के सामने चुनौती सिर्फ ब्राह्मण ही है अन्यथा कोई नहीं। राजस्थान ब्राह्मण महासभा के प्रदेशाध्यक्ष केशरी चन्द भंवरलाल शर्मा ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि समाजहित में समर्पित भाव से कार्य करेंगे और युवा पीढ़ी को प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के विकास हेतु ऐसे आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यह आयोजन समाज की एकता, संगठन और प्रगति का प्रतीक बनेगा। मुख्य अतिथि अनंत विभूषित दंडी स्वामी, श्री जोगेंदश्रम जी महाराज ने संस्था के प्रयासों की सराहना की और ब्राह्मण समाज के सभी संगठनों को एक निश्चित अंतराल पर सामूहिक तौर पर सामाजिक गतिविधियों की समीक्षा करने की जरूरत पर जोर दिया। समाज में व्याप्त कुरीतियों को त्यागकर आगे बढ़ने का संकल्प दिलाया। रोशन नाथ महाराज सारनाथ ने कहा ब्राह्मण केवल एक जाति ना होकर समाज के पथ प्रदर्शक हैं। ब्राह्मणों को अपने कुल गौत्र व वंशावली का पूरा पूरा ज्ञान नितांत आवश्यक है। गनेड़ी प्रणव आश्रम से पधारे निवृत्ति नाथ जी महाराज ने कहा ब्राह्मणों को क्षमाशील होना चाहिए। ब्राह्मणों को अपने कर्मकांड संध्या वंदन व आध्यात्म बल देना चाहिए। संतों की कोई जाति नहीं होती है। संत संपूर्ण समाज के होते हैं। कार्यक्रम में ऑल इंडिया पारीक महासभा से बाबूलाल पारीक ने कहा समय की मांग है सभी संगठन लगातार निश्चित अंतराल पर एक जगह बैठकर समाज हित में निर्णय लें। संस्था महामंत्री अभिषेक पारीक ने उद्देश्य व संस्था की ओर से संचालित सामाजिक सेवाकार्य और प्रकल्पों के बारे में जानकारी दी। संस्था के पदाधिकारीयों ने सभी अतिथियों, ब्राह्मण समाज के अग्रणी सभी संगठनों के अध्यक्षों और पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर साफा, शॉल और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में कमला प्रसाद जोशी, मुखराम नाथोलिया, विनोद जोशी, महेंद्र देरासरी, गिरधारीलाल पारीक, दुर्गाराम पारीक, देवीदत जोशी, शिवकरण व्यास, सुरेश लाटा, सुखवीर पारीक, ओमप्रकाश तिवाड़ी, सुरेन्द्र दाधीच, रमेश गौड़, नवल-किशोर शर्मा, मुकेश जोशी, अतुल सेवदा, श्यामलाल गिल, मांगीलाल नाथोलिया, प्रदीप पांडिया, राजकरण पारीक, जीवन जोशी, नरेंद्र सेवदा, पवन महर्षि, बजरंग शर्मा, विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ के सुनील मिश्र, भरत शर्मा, किशोर भारद्वाज, कमलकांत शर्मा, सुरेश पारीक, पवन पांडिया, स्वागत उद्बोधन शम्भू दयाल पांडिया की ओर से दिया गया, मंच संचालन अभिषेक पारीक ने किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, ग्रामीण खण्ड- द्वितीय (एनसीआर) अलवर

जिला अलवर आगामी ग्रीष्म ऋतु 2025 में आमजन की पेयजल की समस्याओं के निवारण हेतु अलवर में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष नं. 0144-2337900 है। यह समय प्रातः 6:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक कार्यरत रहेगा राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्रीष्मकाल में PHED का जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया जा चुका है जो दिनांक 31.07.2025 तक चालू रहेगा

हाथ धोते समय कम से कम पानी का उपयोग करें।

रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून।
पानी बिना ना उबरे, मोती मानस चून ॥

शेविंग या बर्तन धोते समय जब प्रयोग में न हो, नल बंद कर दें

बदलती जीवनशैली और बदलते शहरीकरण के कारण पानी की मांग लगातार बढ़ रही है।
भू-जल अतिदोहन के कारण पानी की कमी निरन्तर बढ़ रही है।
अतः जीवन को सुरक्षित रखना है तो वर्षा एवं भूमिगत जल को संरक्षित रखना होगा। के दूरुपयोग को रोकना होगा वरना जीवन खतरे में पड़ जायेगा।
आओ हम दैनिक कार्यों में जल उपयोग के निम्नांकित तरीकों को अपनाकर जल की बचत कर आने वाली पीढ़ी के जीवन को सुरक्षित रखने में सहयोग प्रदान कर सकते हैं-

अपने दाँत ब्रश करते समय एक कप या गिलास का उपयोग करें

नहाते समय शॉवर की बजाय बाल्टी का इस्तेमाल करें

जल बिन सब सून

' जल ही जीवन है ' जल के बिना जीवन सुरक्षित नहीं है इस बाबत महान कवि रहिमनजी ने भी अपने निम्नांकित दोहे के मार्फत जीवन पर जल की उपयोगिता का चित्रण किया है।

सब्ज़ियों को धोने के लिए नल के पानी को चलाने से बचें, इसके बजाय एक कटोरी का उपयोग करें, पानी डालें और फिर इन्हें धो ले

बचे हर बूंद, पले जीवन, हमने किये हैं वो सारे जतन । अब आगे आये एक-एक जन, जल संचय में लगा दे तन मन ।।

क्र. सं.	दैनिक क्रिया का नाम	खर्च पानी की मात्रा लीटर में	जल उपयोग करने के तरीके	पानी बचत की मात्रा लीटर में
1.	स्नान करने में	फव्वारे से - 180 लीटर	बाल्टी से 18 लीटर	162 लीटर
2.	शौचालय जाने में	फ्लक्स टैंक से 13 लीटर	छोटी बाल्टी से 4 लीटर	9 लीटर
3.	शेव करने में	नल खोलकर करने से 11 लीटर	मग से पानी लेकर 1 लीटर	10 लीटर
4.	दंत मंजन	नल खोलकर करने में 33 लीटर	मग या छोटे लोटे से पानी लेकर 1 लीटर	32 लीटर
5.	कपड़ों की धुलाई	नल खोलकर करने में 166 लीटर	बाल्टी के उपयोग से 18 लीटर	148 लीटर
6.	एक लॉन / कोर्ट यार्ड में 10,000 से 12,000 लीटर उपयोग किये जल से एक छोटे परिवार हेतु एक माह का जल उपलब्ध हो सकता है।			
7.	प्रति सैकण्ड नल से टपकती जल बूंद से एक दिन में 17 लीटर जल का अपव्यय होता है।			
8.	इसके अलावा उपभोक्ता अपनी सर्विस लाईनों की मरम्मत कर पानी के रिसाव को रोककर भी सहयोग प्रदान कर सकते हैं।			
9	जलदाय विभाग की पाईप लाईनों में यदि कहीं लीकेज हो तो उसकी सूचना भी विभाग को समय पर देकर सहयोग कर सकते हैं।			

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, ग्रामीण खण्ड- द्वितीय (एनसीआर) अलवर

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।